mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-218 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

09 अगस्त 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

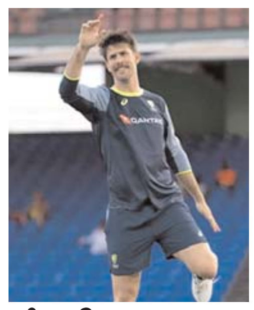

टी20 विश्व कप 2026

@ पेज 7

इनेलो विधायक चौटाला बोले- पंजाब का सीएम पियक्कड़ कौआ

भिवानी, एजेंसी। हरियाणा में सिरसा जिले की रानियां विधानसभा सीट से इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) के विधायक अर्जुन चौटाला ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर विवादित बयान दिया। गुरुवार रात भिवानी के बवानीखेड़ा में दौरा करने पहुंचे अर्जुन चौटाला ने कहा- पंजाब का मुख्यमंत्री भगवंत मान पियक्कड़ कौआ है। उन्हें होश में रहकर काम करना चाहिए, क्योंकि उनका भरोसा नहीं वे कितनी घूंट मारकर आ जाए और क्या बात कह दे।

अर्जुन चौटाला ने आगे कहा- एक बेवड़ा आदमी प्रदेश को चला रहा है। मैं तो भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि वह होश में बैठ जाए, यही बहुत है। वहीं आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रवक्ता नील गर्ग ने पलटवार करते हुए कहा- यह राजनीति के स्तर को रसातल में ले जाने की साजिश है वह भी उन लोगों द्वारा, जिनके पास न तमीज है, न तथ्यों का ज्ञान और न ही जनसेवा का कोई रिकॉर्ड। अर्जुन चौटाला जी, पहले हरियाणा में अपनी पार्टी की जमीन बचाइए। INLD तो हरियाणा में खुद वेंटिलेटर पर है। जो नेता अपने क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल भी ठीक से नहीं चला सके, वो पंजाब के मुख्यमंत्री को ज्ञान दे रहे हैं। वहीं हरियाणा के AAP अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कहा कि ये नौकरियों के भ्रष्टाचार में खुद जेल में रहे। इन्हें खुद से सवाल करना चाहिए।

भारत में लोगों ने डाटा चोरी से इस साल झेला 22 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत में इस साल डाटा उल्लंघन के कारण नुकसान 13 फीसदी बढ़कर 22 करोड़ रुपये हो गई है। आईबीएम की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल पहले यह 19.5 करोड़ रुपये थी। आईबीएम की रिपोर्ट में कहा गया है कि लागत में वृद्धि के बावजूद, कृत्रिम बुद्धिमत्ता में सुरक्षा की अभी कमी है। व्यक्तिगत जानकारी निकालने के लिए सबसे ज्यादा फिशिंग या धोखाधड़ी वाले संचार भेजने जैसे साधन का इस्तेमाल किया जाता है। इसका इस्तेमाल 18 फीसदी डाटा चोरी में किया जाता है। इसके बाद तीसरे पक्ष के वेंडर और आपूर्ति श्रृंखला के वादे के जरिये 17 फीसदी डाटा चोरी होती है। आईबीएम इंडिया और दक्षिण एशिया के प्रौद्योगिकी उपाध्यक्ष विश्वनाथ रामास्वामी ने कहा, हालांकि एआई तेज़ी से व्यावसायिक कार्यों में शामिल हो रहा है लेकिन सुरक्षा और गवर्नेंस पीछे छूट रहे हैं। एक्सेस कंट्रोल और एआई गवर्नेंस टूल्स का अभाव सिर्फ एक तकनीकी चूक नहीं बल्कि एक रणनीतिक कमजोरी है। कंपनी दो दशक से डाटा उल्लंघन की लागत रिपोर्ट तैयार कर रही है और इसके लिए लगभग 6,500 डेटा उल्लंघनों की जाच कर चुकी है।

अनुसंधान क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसान: भारत में अनुसंधान क्षेत्र को डाटा उल्लंघनों का सबसे ज्यादा असर झेलना पड़ा, जिसकी औसत लागत 28.9 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इसके बाद परिवहन उद्योग में 28.8 करोड़ रुपये और औद्योगिक क्षेत्र में 26.4 करोड़ रुपये का स्थान रहा।

सीतामढ़ी में शाह-नीतीश ने किया माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन

गृहमंत्री ने रखी पहली ईंट; 21 तीर्थों की मिट्टी, 11 नदियों का जल मंगवाया गया

सीतामढ़ी, एजेंसी। गृहमंत्री अमित शाह और नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी उनके साथ मौजूद रहे। मूसलाधार बारिश के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने मंदिर की पहली ईंट रखी। मंदिर को नेपाल के फूलों से सजाया गया है। भूमिपूजन के लिए 21 तीर्थों की मिट्टी, 11 नदियों का जल मंगवाया गया था। अयोध्या के हनुमान गढ़ी से ईंट भी पहुंची थी। 50 एकड़ में 882 करोड़ की लागत से मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा। पूरे मंदिर का निर्माण खास किस्म के सैंड स्टोन (बलुआ पत्थर) से होगा। ये पत्थर राजस्थान से मंगवाए जा रहे हैं। मंदिर की ऊंचाई 156 फीट होगी, जो अयोध्या के राम मंदिर से 5 फीट कम है। अमित शाह ने समस्तीपुर से दिल्ली के लिए अमृत भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई।

सांसद संजय झा बोले- जानकी मंदिर के बिना राम मंदिर अधुरा :गृह मंत्री अमित शाह के बिहार दौरे पर JDU सांसद संजय कुमार झा ने कहा, ये पूरे मिथिला और देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज हमारे मुख्यमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह यहां भूमि पूजन के लिए आ रहे हैं। राम मंदिर तो बन गया, लेकिन वे आधा हुआ था। आज वह पूरा होगा जब जानकी मंदिर का निर्माण होगा। बिहार सरकार ने 1000 करोड़ से ज्यादा की राशि जानकी मंदिर बनाने के लिए और उसके जमीन अधिग्रहण के लिए दिया है।

56 फीट होगी मंदिर की ऊंचाई

जानकी मंदिर की ऊंचाई 156 फीट होगी। यह मंदिर, अयोध्या के राम मंदिर से 5 फीट कम है, जिसकी ऊंचाई 161 फीट है। बता दें कि मंदिर निर्माण का लक्ष्य 36 महीने में पूरा करने का है। मंदिर के निर्माण के लिए राजस्थान के लाल पत्थर का इस्तेमाल किया जा रहा है। मंदिर की दीवारों पर मधुबनी चित्रकारी है। इसके सभी 60 कमरे नेपाल के ध्वज, रंगीन कांच, नक्काशी और चित्रों से सजे हैं, जिनमें जालीदार खिड़कियां भी हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी मंदिर में माता सीता और राम जी का स्वंयवर हुआ था। विवाह मंडप भी यहां है। इस स्थल को 2008 में यूनेस्को ने एक संभावित स्थल घोषित किया था।

बाराबंकी में चलती बस पर पेड़ गिरा, 5 की मौत

अंदर फंसी महिला बोली- हम मर रहे, आप वीडियो बना रहे

बाराबंकी, एजेंसी। यूपी के बाराबंकी में शुक्रवार को चलती रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। कई यात्री अभी फंसे हैं, जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है।इसी बीच बस में फंसी महिला हादसे का वीडियो बना रहे युवक पर भड़क गई। महिला ने कहा- हम मर रहे हैं। आप वीडियो बना रहे। अगर आकर पेड़ की डाल हटवाने में मदद करते तो हम लोग बाहर निकल आते।

60 लोगों से भरी बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। हादसे के समय तेज बारिश हो रही थी। पेड़ इतना भारी था कि बस की छत पिचक गई। स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

प्रत्यक्षदर्शी शैल वर्मा ने बताया- बस भरी हुई थी। कई लोग खड़े भी थे, तभी चालक के मुंह से अरे निकला और पेड़ गिर गया। इसके बाद चालक और चार महिलाओं की मौत हो गई, ये लोग केबिन के पास ही बैठी थीं। मैं पीछे चाली सीट पर बैठी थी, इसलिए बच गई। दो मृतकों की पहचान हो गई है। इनमें शिक्षा मल्होत्रा (53), अनोज (45) शामिल हैं। शिक्षा मल्होत्रा प्राथमिक स्कूल कादीपुर में तैनात थीं। ड्राइवर और एक अन्य टीचर की पहचान अब तक नहीं पाई है।

हादसे में घायल एक महिला टीचर ने बताया- हम सभी टीचर्स हैदरगढ़ में अपने-अपने स्कूल जाने के लिए निकली थीं, तभी बाराबंकी में हरख चौराहे के पास अचानक चलती बस पर पेड़ गिर गया

ट्रम्प का भारत से ट्रेड डील पर बातचीत से इनकारः

बोले- पहले टैरिफ मसला सुलझे, तब होगी बात; भारत पर कुल 50% टैरिफ

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत से ट्रेड डील पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। ट्रम्प ने कहा कि जब तक टैरिफ विवाद का हल नहीं निकल जाता, बातचीत शुरू नहीं होगी। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भारत से ट्रेड डील पर बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल इसी महीने भारत आने वाला है। ट्रम्प भारत पर अबतक 50% टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। उन्होंने 30 जुलाई को 25त्न टैरिफ लगाया था, जो 7 अगस्त से लागू

हो गया है। वहीं, 6 अगस्त को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर भारत पर 25% टैरिफ और बढ़ा दिया है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प के आदेश में कहा गया है कि रूसी तेल की खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। रूस इस पैसे का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में कर रहा है।

विदेश विभाग बोला- भारत रणनीतिक साझेदार, बातचीत जारी रहेगी: इधर, अमेरिकी विदेश विभाग ने 7 अगस्त की रात जारी बयान में भारत को एक रणनीतिक साझेदार बताया। मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ स्पष्ट और खुली बातचीत कर रहा है, भले ही टैरिफ विवाद के चलते दोनों देशों के संबंधों में तनाव बना हुआ है। टॉमी के मुताबिक ट्रम्प ने व्यापार असंतुलन और रूसी तेल की खरीद को लेकर अपनी चिंताएं बहुत स्पष्ट तरीके से जाहिर की हैं। साथ ही सीधी कार्रवाई (भारत पर टैरिफ) भी की है। टॉमी ने मतभेदों को सीधे संवाद के जरिए सुलझाने की बात भी कही है।

राहुल बोले- मोदी वोट चुराकर प्रधानमंत्री बने

25 सीट 35 हजार या कम अंतर से जीते; चुनाव आयोग इलेट्रानिक डेटा दे, तो साबित करेंगे

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार 25 सीट के मार्जिन से प्रधानमंत्री बने हैं। 25 सीट ऐसी हैं, जिन्हें भाजपा ने 35 हजार या कम वोट से जीतीं। अगर हमें इलेक्ट्रानिक डेटा मिल जाए तो हम साबित कर देंगे कि मोदी चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं।

राहुल ने कहा- चुनाव आयोग को पिछले 10 साल की देश की सारी इलेक्ट्रानिक वोटर लिस्ट और वीडियोग्राफी देनी चाहिए। ये सब नहीं देंगे तो क्राइम है। भाजपा को चुनाव चोरी करने दे रहे हैं। पूरे देश को चुनाव आयोग से वोटर्स का डेटा मांगना चाहिए। राहुल गांधी ने कर्नाटक के बेंगलुरु में फ्रीडम पार्क में आयोजित कांग्रेस की वोट अधिकार रैली में ये बात कही। उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी रैली में शामिल हुए। बेंगलुरु पहुंचने से पहले राहुल ने ङ्ग पोस्ट में लिखा- वोट चोरी केवल चुनावी घोटाला नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र के साथ बड़ा विश्वासघात है। देश के गुनहगार सुन लें, वक्त बदलेगा, सजा जरूर मिलेगी।

राहुल ने गुरुवार को भी आरोप लगाया था कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 फर्जी वोट बनाए गए, जिससे भाजपा को फायदा हुआ। भाजपा-EC की मिलीभगत से यह धांधली हुई, जिसने पीएम मोदी को तीसरी बार सत्ता में पहुंचाया।

राहुल गांधी बोले- 22,779 वोट से पूरा हरियाणा हारे

बोले- 8 सीटों का अंतर, एक विधानसभा में एक लाख वोट बढ़े, 15प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई

हिसार, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को अलग-अलग राज्यों में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी होने के आरोप लगाए। 1 घंटे 11 मिनट तक उन्होंने 22 पेज का प्रेजेंटेशन दिया। इस प्रेजेंटेशन में उन्होंने हरियाणा का भी 1 मिनट तक जिक्र किया। स्क्रीन पर हरियाणा का मैप दिखाते हुए राहुल गांधी ने कहा- 2024 में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 8 सीटों पर महज 22,779 वोट से पूरा स्टेट हार गई। राहुल ने मैप पर कांग्रेस और भाजपा की जीती हुई सीटें भी दिखाईं। राहुल ने आगे कहा कि हरियाणा की एक विधानसभा में एक लाख वोट बढ़ गए। ऐसे में आप सोच सकते हैं कि यहां कितना फर्जीवाड़ा हुआ है। एक विधानसभा में ही 12 से 15% वोट बढ़ गए और यह वोट तब और अहमियत रखते हैं जब चुनाव में जीत-हार का अंतर 2 से 4% वोटों के बीच का हो। राहुल ने अपनी प्रेजेंटेशन में हरियाणा चुनाव हारने के पीछे चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, राहुल गांधी ने यह नहीं बताया कि किस विधानसभा में कितने वोट बढ़े और न ही किसी एक विधानसभा का उन्होंने प्रेजेंटेशन में जिक्र किया।

8 सीटों पर 6 हजार वोटों के कम अंतर से हारी कांग्रेस :प्रदेश में 8 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस की हार 6 हजार वोटों के कम अंतर से हुई है। इन विधानसभा सीटों में उचाना कलां, चरखी दादरी, होडल, सफीदो, घरौंडा, असंध, राई और खरखौदा शामिल हैं। उचाना कलां सीट कांग्रेस महज 32 वोटों से हारी थी। यही कारण है कि कांग्रेस बार-बार BJP पर धांधली करने का आरोप लगाती रही है।

चुनाव आयोग बोला :राहुल के दावे सही तो साइन करें,वरना देश से माफी मांगे

प्रियंका बोलीं- चुनाव आयोग जांच के बजाय हलफनामा मांग रहा

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से कहा है कि वे वोट चोरी के अपने दावे को सही मानते हैं तो हलफनामा साइन करके दें। अगर उन्हें अपने दावों पर भरोसा नहीं है तो देश से माफी मांगें।

न्यूज एजेंसी ANI ने चुनाव आयोग के सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल मानते हैं कि चुनाव आयोग पर उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

दरअसल राहुल ने गुरुवार को दिल्ली में एक प्रजेंटेशन के जरिए वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और वोट चोरी का आरोप लगाया था। राहुल ने कहा कि हमने यहां वोट चोरी का एक मॉडल पेश किया, मुझे लगता है कि इसी मॉडल का प्रयोग देश की कई लोकसभाओं और विधानसभाओं में हुआ।

प्रियंका बोलीं- चुनाव आयोग जांच के बजाए हलफनामा मांग रहा : चुनाव आयोग की तरफ से हलफनामा वाली बात सामने आने पर प्रियंका गांधी ने कहा- राहुल गांधी जी ने वोट चोरी पर बड़ा खुलासा किया है, जिसकी जांच होनी चाहिए। चुनाव आयोग वोटर लिस्ट नहीं दे रहा है, इस मामले में जांच करने के बजाय, वो हलफनामा मांग रहा है। हम लगातार डेटा दिखा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग मानने को तैयार ही नहीं है।

भाजपा की सरकार विपक्ष पर ED, CBI लगाकर तमाम जांच कर रही है तो यहां नाक के नीचे हुए पूरे कांड की जांच क्यों नहीं हो रही?

15 अगस्त से पहले जैसलमेर बॉर्डर पर जासूसी,रेगिस्तान में मिला चाइनीज हाईटेक ड्रोन

जैसलमेर,एजेंसी। राजस्थान से लगे इंटरनेशनल बॉर्डर पर 15 अगस्त से पहले बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF) हाईअलर्ट पर है। एजेंसी के जवानों ने जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर व श्रीगंगानगर से लगते बॉर्डर पर पेट्रोलिंग भी बढ़ाई है। इस बीच गुरुवार शाम को जैसलमेर के लोंगेवाला पोस्ट पर जवानों को एक चाइनीज ड्रोन मिला है। सूत्रों के अनुसार ये एक चाइनीज हाईटेक जासूसी ड्रोन है। इसमें एक कैमरा भी लगा है। **ड्रोन के कंट्रोल को लेकर जांच** :जानकारी के अनुसार जवानों को ड्रोन जैसलमेर के सेक्टर साउथ में मिला था। फिलहाल इसके कंट्रोलिंग को लेकर जांच की जा रही है कि इसे कहां से ऑपरेट किया जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने राजस्थान बॉर्डर से लगते इलाकों में ड्रोन अटैक किए थे।

भिवंडी हादसे पर सख्त हुआ बॉम्बे हाईकोर्ट, निर्माण स्थलों की सुरक्षा पर दोबारा उठाया सवाल

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में भिवंडी में हुए एक गंभीर हादसे के बाद 2024 में दायर की गई याचिका को फिर से खोल दिया है। यह याचिका मुंबई और आसपास के इलाकों में ऊंची इमारतों और निर्माण स्थलों पर हो रही सुरक्षा लापरवाहियों को लेकर थी। दरअसल, 5 अगस्त को ठाणे जिले के भिवंडी इलाके में एक निर्माणाधीन मेट्रो साइट से एक लोहे की रॉड चलती हुई ऑटो रिक्शा पर गिर गई, जो सीधे एक 20 साल के युवक के सिर में घुस गई, जिससे युवक बुरी तरह घायल हो गया। यह युवक ऑटो में यात्री के रूप में सफर कर रहा था। इस घटना से लोगों में भारी दहशत है।

मामले में इस घटना पर चिंता जताते हुए न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और आरिफ डॉक्टर की पीठ ने कहा कि ऐसी लापरवाह घटनाएं लगातार हो रही हैं, जबकि

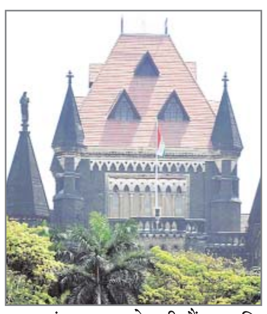

2023 में हाईकोर्ट के निर्देश पर एक विशेषज्ञ समिति बनाई गई थी, जिसने निर्माण स्थलों की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए थे। लेकिन अभी तक उन सिफारिशों को सभी नगर निगमों और प्लानिंग अथॉरिटीज को नहीं भेजा गया है। मामले में अगली सुनवाई की तारीख 12 अगस्त तय की गई है।

कोर्ट ने दोहराई अपनी पुरानी टिप्पणी :मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपनी पुरानी टिप्पणी को दोहराते हुए कहा कि हमने आशा जताई थी कि मुंबई की ऊंची इमारतों के निर्माण से किसी भी आम आदमी की जान को खतरा नहीं होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह से जान को खतरे में डालना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और आजीविका के अधिकार का उल्लंघन है। ऐसे में अब जबकि समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, कोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को निर्देश दिया है कि वह समिति की सिफारिशें रिकॉर्ड पर रखे, ताकि राज्य सरकार उन्हें सभी नगर निगमों और नियोजन प्राधिकरणों तक भेज सके। अदालत ने कहा कि ये सुरक्षा उपाय जनहित में हैं, इसलिए इस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए।

कहां से मामले ने पकड़ ली तूल? बता दें कि ये पूरा मामला दो सार पहले यानी साल 2023 का है। जब वर्ली इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत की 52वीं मंजिल से सीमेंट का ब्लॉक गिरने से दो राहगीरों की मौत हो गई थी। इसके बाद कोर्ट ने खुद संज्ञान लेते हुए (सुओ मोटू) मामले की सुनवाई शुरू की थी और सुरक्षा उपायों के लिए समिति गठित करने का आदेश दिया था।

शित भूजल से निपटने में लापरवाही पर एनजीटी की फटकार, जल स्रोतों पर अधिकारियों से जवाब तलब

दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने आवासीय सोसाइटियों में खराब और दोषपूर्ण वर्षा जल संचयन प्रणालियों (आरडब्ल्यूएच) के चलते द्वारका में भूजल प्रदूषण से निपटने में दिल्ली के अधिकारियों की तरफ से की गई अपर्याप्त कार्रवाई पर फटकार लगाई है। ऐसे में अदालत ने डीजेबी और डीपीसीसी को चार सप्ताह के अंदर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा। साथ ही, आवेदक को कानूनी सलाहकार नियुक्त करने का समय दिया। मामले में अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी। अदालत ने यह भी नोट किया कि मूल 2021 के आदेश में डीजेबी, डीपीसीसी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को शामिल करते हुए संयुक्त सुधारात्मक कार्य योजना अनिवार्य की गई थी। चूंकि सीपीसीबी को मौजूदा निष्पादन कार्यवाही में पक्ष नहीं बनाया गया था, इसलिए आवेदक को इसे शामिल करने के लिए उचित कदम उठाने की अनुमति दी गई। यह मामला 2021 में दायर एक मूल आवेदन से उत्पन्न हुआ है, जिसमें द्वारका की आवासीय कॉलोनियों में दोषपूर्ण या उपेक्षित वर्षा जल संचयन बुनियादी ढांचे के कारण

भूजल प्रदूषण के बारे में चिंता जताई गई थी। एनजीटी ने पहले डीजेबी, डीपीसीसी और सीपीसीबी द्वारा एक संयुक्त कार्य योजना सहित सुधारात्मक उपायों का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान आवेदक महेश चंद्र सक्सेना अधिकरण के सामने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों की तरफ से पूर्व में जारी किए गए उपचारात्मक निर्देशों को लागू करने में निरंतर विफलता पर जोर दिया। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने 22 जुलाई, 2025 को पुनः प्रस्तुत की गई एक नई रिपोर्ट में द्वारका में 176 आवासीय सोसाइटियों में किए गए एक सर्वेक्षण के चौंकाने वाले निष्कर्ष प्रस्तुत किए ए। डीजेबी की रिपोर्ट से पता चला कि 115 सोसाइटियों में भूजल फीकल कोलीफॉर्म से दूषित था। चार सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) प्रणालियां पूरी तरह से निष्क्रिय थीं। 25 सोसाइटियों में सूखे गड्ढे थे और केवल 32 सोसाइटियों में फीकल कोलीफॉर्म की कोई उपस्थिति नहीं पाई गई। अदालत ने पाया कि डीजेबी ने पहले 20 जनवरी, 2025 को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को सूचित किया था, जिसमें चूक करने वाली सोसाइटियों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने की सिफारिश की गई थी। हालांकि, एनजीटी के समक्ष कोई ठोस अनुवर्ती कार्रवाई प्रस्तुत नहीं की गई, जिससे प्रवर्तन को लेकर चिंताएं पैदा हुई।

जल स्त्रोतों के बिगड़ते हालात पर एनजीटी ने अधिकारियों से मांगा जवाब: राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली के जल स्त्रोतों की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत ने कहा कि अधिकारियों की तरफ से प्रस्तुत जवाब केवल असोला की 10 प्रमुख आर्द्रभूमियों तक ही सीमित था जिनके लिए पहले ही कदम उठाए जाने की बात कही गई थी लेकिन अन्य जलाशयों के संबंध में कोई प्रभावी जवाब नहीं मिला है।

घरेलू सहायिका ने घर के शौचालय में दिया बच्चे को जन्म,

दिल्ली, एजेसी। पटेल नगर इलाके में घरेलू सहायिका ने घर के शौचालय में बच्चे को जन्म देने के बाद उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी तलाकशुदा है और लोक लाज से बचने के लिए उसने वारदात की। 28 जुलाई को फ्लैट के पार्किंग से सफेद प्लास्टिक बैग में नवजात का शव मिलने पर छानबीन के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि आरोपी की पहचान रोशनी के रूप में हुई है। 29 जुलाई को बच्चे का पोस्टमार्टम होने के बाद गला घोंटकर हत्या करने की बात सामने आई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि फ्लैट में काम करने वाली रोशनी ने बच्चे को वहां फेंका था। जांच में पता चला कि रोशनी एक फ्लैट में 2023 से घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी। पुलिस ने रोशनी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की। उसने बताया कि वह तलाकशुदा है। वह नवंबर 2024 में शादी में शामिल होने के लिए गांव गई थी। जहां उसने अपने प्रेमी के साथ शारीरिक संबंध बनाए।

फिल्म अभिनेत्री हुमा कुरैशी के चचेरे भाई की हत्या, निजामुद्दीन में पार्किंग को लेकर हुआ था विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। फिल्म अभिनेत्री हुमा कुरैशी के चचेरे भाई की दिल्ली में हत्या कर दी गई। निजामुद्दीन इलाके में पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। जानकारी के अनुसार स्कूटी पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था जिसमें बात बढ़ने पर आसिफ कुरैशी नाम के शख्स की जान ले ली गई। यह घटना दिल्ली के भोगल इलाके में हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बीती को रात लगभग साढ़े 10 बजे आरोपी और पीड़ित के बीच स्कूटी पार्किंग को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान एक आरोपी ने पीड़ित की छाती पर नुकीली वस्तु (पोकर) से हमला कर दिया, जिससे पीड़ित की मौत हो गई। मृतक का नाम आसिफ कुरैशी पुत्र इलियास कुरैशी बताया जा रहा है, जो जंगपुरा इलाके में रहते थे। फिलहाल पुलिस ने 233/25, धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप उज्वल और गौतम पुलिस की गिरफ्त में हैं। इस मामले में आगे की जांच जारी है। अभी हाल ही में अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने 28 जुलाई को अपना 39वां जन्मदिन मनाया था। हुमा कुरैशी एक जानी-मानी बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल हैं, जिन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग और मेहनत से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है।

हुमा कुरैशी का फिल्मी करियर: हुमा कुरैशी ने 2012 में फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया और इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया, जैसे लव शव ते चिकन खुराना, डेढ़ इश्किया, बदलापुर, जॉली एलएलबी 2, और बेल बॉटम। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हुमा एक फिल्म के लिए 2-3 करोड़ रुपये की फीस लेती हैं। उनकी फीस प्रोजेक्ट के बजट और उनके किरदार की अहमियत पर निर्भर करती है। हुमा ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज की है। उनकी वेब सीरीज महारानी में रानी भारती के किरदार को दर्शकों और क्रिटिक्स ने खूब पसंद किया। इस तरह की वेब सीरीज से भी उनकी कमाई में इजाफा होता है। वेब सीरीज में काम करने के लिए उनकी फीस भी लाखों में होती है, जो उनके स्टारडम और प्रोजेक्ट की लोकप्रियता पर निर्भर करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हुमा ने अपने करियर की शुरुआत में बड़ी कंपनी के साथ दो साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। उन्होंने मोबाइल, पेंट, ऑयल, क्रीम, और साबुन जैसे कई बड़े ब्रांड्स के लिए विज्ञापन किए। ब्रांड एंडोर्समेंट से उनकी कमाई भी काफी अच्छी होती है। एक ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए वह लाखों रुपये चार्ज करती हैं। हुमा सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय हैं और उनके इंस्टाग्राम पर 8.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर अपने फोटोशूट्स और प्रोजेक्ट्स की तस्वीरें शेयर करती हैं। इसके अलावा, वह इवेंट्स, अवॉर्ड शोज, और प्रमोशन्स में भी हिस्सा लेती हैं। सोशल मीडिया के जरिए भी हुमा अच्छी कमाई करती हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हुमा कुरैशी की कुल नेटवर्थ लगभग 22-25 करोड़ रुपये के आसपास है। यह राशि उनकी फिल्मों, विज्ञापनों, वेब सीरीज, और सोशल मीडिया से होती है। उनकी कमाई का मुख्य स्रोत उनकी एक्टिंग प्रोजेक्ट्स और ब्रांड एंडोर्समेंट हैं। हुमा को लग्जरी कारों का भी शौक है। उनके पास कुछ महंगी गाड़ियां हैं, जो उनकी नेटवर्थ का हिस्सा हैं।

अनुसूचित जाति समिति के चुनाव में सियासी घमासान, हंगामा और हाथापाई की स्थिति में मतदान स्थगित

दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी की 11 तदर्थ समितियों के चुनावों में बृहस्पतिवार को अनुसूचित जातियों से संबंधित समिति के चुनाव के दौरान जबरदस्त हंगामा हुआ। आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने आरोप लगाया कि भाजपा ने बहुमत हासिल करने के लिए समिति की सदस्य संख्या जानबूझकर घटा दी है, जो दलित प्रतिनिधित्व के सीधे उल्लंघन जैसा है। हंगामे और हाथापाई की स्थिति को देखते हुए एमसीडी प्रशासन को यह चुनाव तीसरी बार स्थगित करना पड़ा। अनुसूचित जाति के मामलों से जुड़ी समिति के अध्यक्ष पद के लिए मतदान की प्रक्रिया आरंभ होते ही आप पार्षदों ने समिति में 35 सदस्यो की संख्या घटाकर 21 कर देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि भाजपा को बहुमत हासिल करने के लिए यह कदम उठाया गया। इस तरह उसने दलित पार्षदों के अधिकारों का सीधा हनन किया गया है। इस बीच आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने मत पेटी में पानी डाल दिया और मतपत्र छीनने का प्रयास किया। मारपीट जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी। इस कारण कुछ देर के लिए बैठक स्थगित कर दी गई। दोबारा बैठक शुरू होने पर भी आप पार्षदों ने मतदान नहीं होने दिया और एक बार फिर बैठक स्थगित करनी पड़ी। इतना ही नहीं, तीसरी बार भी बैठक शुरू होने पर हंगामा जारी रहा। इस कारण समिति का चुनाव अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले बुधवार को भी विशेष समितियों के चुनाव के दौरान भी खेल-कूद समिति के चुनाव में भारी हंगामा हुआ था। वहां भी आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने भाजपा पर मतदान की प्रक्रिया में अनियमितता के आरोप लगाए थे। नतीजतन, खेल-कूद समिति का चुनाव रद्द कर दिया गया था। हालांकि, 10 अन्य तदर्थ समितियों और शिक्षा व ग्रामीण विकास में भाजपा ने आम आदमी पार्टी को हराकर जीत दर्ज की है। भाजपा ने इन समितियों में अपने प्रत्याशियों को सफलतापूर्वक निर्वाचित कराया और एमसीडी में अपना संगठनात्मक वर्चस्व और मजबूत किया।

आम आदमी पार्टी दलित विरोधी – भाजपा : नई दिल्ली। एमसीडी अनुसूचित जाति कल्याण एवं उनके कोटे का कार्यान्वयन समिति का चुनाव स्थगित होने के लिए महापौर राजा इकबाल सिंह और नेता सदन प्रवेश वाही ने आप पार्षदों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आप पार्षदों के हंगामे को दलित विरोधी और लोकतंत्र का अपमान करार दिया है। राजा इकबाल सिंह ने कहा, सुरक्षा कर्मियों से धक्का-मुक्की कर माहौल को तनावपूर्ण बना दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब ये सत्ता में थे।

चॉकलेट-मिठाई का बदला युग, कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स की डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन में केवल एक ही दिन बचा है। ऐसे में बाजारों में चहल-पहल और रौनक देखते ही बन रही है। शगुन के तौर पर भाई अपनी बहनों के लिए ऐसे कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स की खरीदारी कर रहे हैं जो यादगार और उपयोगी होने के साथ रिश्तों की गहराई को भी दर्शाए। बाजारों में इस तरह के पर्सनलाइज्ड आइटम्स, तकनीकी गैजेट्स और स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों व अन्य गिफ्ट के कई विकल्प करवा रखे हैं।

ऐसे में इस ट्रेंड ने हमेशा से चलता आ रहे चॉकलेट और मिठाई वाले युग को बदल दिया है। यह बदलता ट्रेंड केवल उपहार नहीं, रिश्तों की गहराई और समय के साथ बदली सोच की झलक भी दिखा रहा है। युवा से लेकर उम्रदराज तक सभी भाई अब बहनों के लिए इस प्रकार के उपहार या तकनीकी गैजेट्स खरीद रहे है जिसमें उनकी तस्वीरें व नाम छप सके। इससे उपहार उनके रिश्ते की गहराई को दर्शाते हुए यादगार बन जाए।

सदर बाजार, चांदनी चौक, पालिका बाजार, सरोजनी नगर, लाजपत नगर, आईएनए मार्केट, जीके मार्केट समेत अन्य प्रमुख और क्षेत्रीय बाजारों में कस्टमाइज्ड उपहारों की इस बार काफी मांग है। ऐसे उपहारों में पर्सनलाइज्ड नेम नेकलेस सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। ये नेकलेस बहन के नाम या शुरुआती अक्षरों के साथ डिजाइन किए जाते हैं। दुकानदार ने बताया कि इसकी कीमत 800 से दो हजार व इससे अधिक है। उन्होंने बताया कि इसमें 100 से अधिक डिजाइन है। वहीं, कस्टमाइज्ड फोटो फ्रेम की भी खूब मांग है, क्योंकि यह आसानी से उपलब्ध भी है। आईएनए मार्केट में एक गिफ्ट शॉप मालिक सुमित ने बताया कि इसमें भाई-बहन की बचपन की तस्वीरें या खास पल उकेरे जाते हैं। इसकी कीमत 500 से 1500 रुपये तक है। एक्रिलिक एलईडी लाइट्स भी ट्रेंड में हैं, जिनमें बहन का नाम और राखी कोट्स के साथ एलईडी बैकलाइटिंग होती है, जो रात में कमरे को रोशन करती है। ये उपहार न केवल सजावटी हैं, बल्कि रोजमर्रा में उपयोगी भी हैं। इसकी कीमत 800 से 1200 तक रुपये है।

स्मार्ट अंगुठी और डायरी भी बन रही पसंद

तकनीकी उपहारों में पर्सनलाइज्ड स्मार्ट अंगुठी का क्रेज बढ़ रहा है। ये रिंग्स फिटनेस ट्रैकिंग और स्टाइल का मेल हैं जिनमें बहन का नाम या संदेश उकेरा जा सकता है। इसके अलावा इको-फ्रेंडली और हस्तशिल्प के गिफ्ट भी बाजार में छाए हुए हैं। इसमें सीड पेपर डायरी, हैंडमेड सिल्क थ्रेड ब्रेसलेट्स, जैसे कई विकल्प को पसंद किया जा रहा है। वहीं, कुछ भाई आध्यात्मिक उपहारों की ओर भी रुख कर रहे हैं। ऐसे में वह रुद्राक्ष पेंडेंट को बहन के नाम के साथ कस्टमाइज करवा के खरीद रहे है। लाजपत नगर में अपनी बहन के लिए गिफ्ट खरीदने आए प्रियांशु रावत ने बताया कि उन्होंने इस बार अपनी बहन के लिए एक कस्टमाइज नेकलेस बनवाया है।

दिल्ली में चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है यमुना, पहाड़ों पर बारिश ने भी बढ़ाया संकट

दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में हो रही बारिश और यमुनानगर स्थित हथिनी कुंड बैराज से ज्यादा पानी छोड़ने के कारण यमुना का जलस्तर चेतावनी स्तर को पार कर गया है। बृहस्पतिवार सुबह 7 बजे लोहे के पुल के पास यमुना का जलस्तर 204.79 मीटर दर्ज किया गया जबकि चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है। पिछले दिनों हथिनी कुंड बैराज से प्रति घंटे 20 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था जिसमें बुधवार सुबह से वृद्धि कर दी गई। सुबह चार बजे 56491 क्यूसेक और सुबह छह बजे 61729 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बुधवार शाम छह बजे लोहे के पुल के पास यमुना का जलस्तर 204.15 मीटर था जो बृहस्पतिवार को चेतावनी स्तर को पार कर गया। राजधानी में यमुना व जलभराव की निगरानी के लिए 24 घंटे काम करने वाला मुख्य नियंत्रण केंद्र बनाया गया है। साथ ही, 15 और निगरानी केंद्र हैं।

छह दिनों तक हल्की बारिश के आसार : मौसमी उतार-चढ़ाव के बीच दिल्ली में अगले छह दिनों तेज बारिश के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग का कहना है कि हल्की फुहारों से तापमान सामान्य के आसपास या उससे नीचे ही बना रहेगा। हालांकि, उमस लोगों को परेशान करेगी। बृहस्पतिवार को सूरज और बादलों के बीच लुकाछिपी का खेल जारी रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक 35.8 डिग्री व न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 85 से 56 फीसदी रहा। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को बादल छाए रहेंगे और शाम के समय गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। ऐसे में अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। जिसमें उन दोनों की बचपन की तस्वीर हैं। उन्होंने बताया कि अगले साल उनकी बहन की शादी होने वाली है, ऐसे में यह एक यादगार तोहफा रहेगा। वहीं, पालिका बाजार में खरीदारी करने आए उज्जवल गर्ग ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन के लिए कई सारे पर्सनलाइज्ड व कस्टमाइज गिफ्ट खरीदे है। उन्होंने बताया कि उनकी बहन ने गिफ्ट की लंबी लिस्ट दी है, जिसे वे मार्केट में खरीदने आए है।

पुतिन-ट्रंप के बीच जल्द होगी बैठक, यूक्रेन युद्ध का निकल सकता है समाधान

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही आमने-सामने की एक बैठक आयोजित किए जाने पर दोनों देश सहमत हो गए हैं।पुतिन ने संयुक्त अरब अमीरात में इस शिखर सम्मेलन के आयोजन का संकेत दिया है। 2021 के बाद राष्ट्रपति पुतिन के साथ किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की आमने-सामने यह पहली बैठक होगी जब पुतिन यूक्रेन सीमा के पास सैन्य जमावड़े की शुरुआती चिंताओं के बीच जिनेवा में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की थी।

दी मॉस्को टाइम्स के मुताबिक क्रेमलिन के अधिकारियों ने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा है कि रूस और अमेरिका राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आने वाले दिनों में एक बैठक पर सहमति हो गई है। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने रूसी सरकारी मीडिया को बताया कि अमेरिकी पक्ष के सुझाव पर आने वाले दिनों में एक द्विपक्षीय उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित करने के लिए प्रारंभिक सहमति बनी है। इससे पहले इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने मंगलवार शाम नेतन्याहू के साथ एक बैठक में चेतावनी दी कि गाजा पर पूर्ण नियंत्रण से सेना उस परिक्षेत्र में फंस जाएगी और शेष बंधकों को खतरा बढ़ जाएगा। यही नहीं जमीर ने गुरुवार को सेना और राजनीतिक नेतृत्व के बीच मतभेदों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया।राष्ट्रपति पुतिन ने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए संकेत दिया कि ट्रंप के साथ यह शिखर सम्मेलन संयुक्त अरब अमीरात में हो सकता है। हालांकि पुतिन ने उनके यूक्रेनी समकक्ष के साथ बैठक की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल को दूर की बात कहते हुए टाल दिया।

गौरतलब है कि पुतिन और ट्रंप के बीच बैठक को लेकर सहमति की खबर तब सामने आई है जब अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मास्को में पुतिन से मुलाकात की है। रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की कोशिशों के रूप में पुतिन-ट्रंप की बातचीत अहम साबित हो सकती है। खास बात यह है कि ट्रंप ने 8 अगस्त तक रूस को शांति वार्ता की मोहलत दी है

इजराइल की सेना समूचे गाजा में नियंत्रण के विरोध में!

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की सेना समूचे गाजा पर पूर्ण नियंत्रण (कब्जे) के विरोध में है। इजराइली सुरक्षा अधिकारियों का अनुमान है ऐसा करने के लिए पांच साल तक लगातार युद्ध की आवश्यकता हो सकती है। बंधकों के परिवारों को चिंता है कि हमास उनके प्रियजनों को मार सकता है या इजराइली सेना अनजाने में उनकी हत्या कर सकती है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इजराइली सेना ने कहा है कि उसने गाजा के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इजराइल के नियंत्रण से बाहर का मुख्य क्षेत्र उत्तर में गाजा शहर से दक्षिण में खान यूनिस तक फैली एक तटीय पट्टी है। गाजा में रहने वाले 20 लाख फिलिस्तीनियों में से कई इन इलाकों में तंबुओं, अस्थायी आश्रयों और अपार्टमेंटों में सिमट गए हैं। इजराइल की सेना की यह टिप्पणी सुरक्षा मंत्रिमंडल की प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा पर कब्जे के प्रस्ताव को मंजूरी के बीच आई है। सुरक्षा मंत्रिमंडल ने गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए पांच सिद्धांतों को अपनाया है। इनमें सबसे प्रमुख हैं गाजा पट्टी में इजराइली सुरक्षा बलों का नियंत्रण और नया नागरिक प्रशासन। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक के फैसले की जानकारी दी।

सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, पांच सिद्धांतों में हैं- आतंकवादी समूह हमास का निरस्त्रीकरण। सभी बंधकों की वापसी वह चाहे जीवित हों या मृत। गाजा का पूरी तरह विसैन्यीकरण। गाजा में इजराइली सुरक्षा बलों का नियंत्रण और एक ऐसे नागरिक प्रशासन की स्थापना जिसमें हमास और फिलिस्तीनी प्राधिकरण नहीं होंगे। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, सुरक्षा मंत्रिमंडल ने पांचों सिद्धांतों को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है।

सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इज़राइल गाजा पर शासन नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, हम इसे अरब ताकतों को सौंपना चाहते हैं जो हमें धमकी दिए बिना इसका उचित शासन करेंगी और गाजावासियों को एक अच्छा जीवन प्रदान करेंगी। यह सब हमास के साथ संभव नहीं है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बयान में साफ किया है, सुरक्षा मंत्रिमंडल ने हमास को हराने के लिए प्रधानमंत्री के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।किबुत्ज उन समुदायों में से एक है जो आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित हुए थे। इस समुदाय का हर चार में से एक सदस्य या तो मारा गया या उसका अपहरण कर लिया गया। इस समुदाय के नौ लोग अभी भी गाजा में बंधक हैं। किबुत्ज के प्रतिनिधियों ने एक बयान में कहा, कैबिनेट के इस फैसले की हमेशा निंदा की जाएगी। अब समय आ गया है कि हा जाए-बस। हमास ने गुरुवार को इजराइली सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक से पहले कहा, नेतन्याहू की आक्रामक योजना से लगता है

हुमा कुरैशी के भाई की निर्मम हत्या- आप नेता सौरभ भारद्वाज बोले, मर्डर-बलात्कार और लूटपाट की घटनाएं यहां आम

नई दिल्ली, एजेंसी। : राजधानी दिल्ली में हर दिन कोई न कोई वारदात सामने आ रही है। ताजा मामला निजामुद्दीन इलाके में अभिनेत्री हुमा कुरैशी के चचेरे भाई आसिफ की हत्या से जुड़ा है। जिसके बाद दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज का बयान सामने आया है। सौरभ भारद्वाज ने हाल ही में हुई कांग्रेस सांसद से चेन स्नैचिंग की वारदात पर उन्होंने कहा कि दिल्ली में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राजधानी दिल्ली में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। कुछ दिन पहले लुटियन जोन के चाणक्यपुरी में एक सांसद की चेन छीन ली गई। चेन स्नैचिंग, मोबाइल स्नैचिंग और कार में तोड़फोड़ करके चोरी करना इतना आम हो गया है कि लोगों ने अब शिकायत दर्ज कराना बंद कर दिया है। हत्या, बलात्कार और लूटपाट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों को बस एक ही काम दिया गया है, आप नेताओं को झूठे मामलों में फंसाना है। वहीं बीती रात दिल्ली के भोगल में जंगपुरा निवासी आसिफ कुरैशी की स्कूटर पार्किंग को लेकर हुए विवाद में हत्या कर दी गई। आसिफ कुरैशी फिल्म अभिनेत्री हुमा कुरैशी के चचेरे भाई थे। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि एक आरोपी ने पीड़ित के सीने पर किसी नुकीली चीज से हमला किया था। जिससे पीड़ित की मौत हो गई। पुलिस ने धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान 19 वर्षीय उज्ज्वल और 18 वर्षीय गौतम के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। इस दौरान जल निकायों के संरक्षण और बहाली से जुड़े एक अन्य मामले पर भी सुनवाई होनी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), दिल्ली राज्य नमभूमि प्राधिकरण और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने नई प्रतिक्रिया देने के लिए अदालत से समय मांगा था। यह मामला दिल्ली में जल स्त्रोतों पर अवैध अतिक्रमण और प्रदूषण से जुड़ा है। 12 मार्च को मीडिया रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने इस मामले को स्वतः संज्ञान में लिया है।

नेतन्याहू की गाजा में पूर्ण कब्जे की योजना के विरोध में इजराइल में प्रदर्शन

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में सुरक्षा मंत्रिमंडल की कई घंटे तक चली बैठक के दौरान देशभर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए । सुरक्षा मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा पर पूर्ण कब्जे के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दी है। यह बैठक देररात खत्म हुई। शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि बैठक में गाजा पर पूर्ण कब्जे को मंजूरी दी गई। सीएनएन चैनल के अनुसार, गाजा में हमास की कैद में रह रहे 50 बंधकों में से कुछ के परिवारों ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन कर सरकार से इस योजना को वापस लेने की गुहार लगाई। बंधक और लापता परिवार मंच ने जारी विज्ञप्ति में कहा, गाजा पर पूर्ण कब्जे का फैसला बंधकों को बलिदान करने जैसा है।

फैसला लेते समय हमारी आंखों में झांकते। यह समय सभी 50 बंधकों को वापस लाने के लिए समझौता करने का था। इस बीच गाजा में बचे बंधकों के परिवारों ने युद्ध को बढ़ाने की सरकार की योजना की कड़ी आलोचना की है। येहुदा कोहेन के बेटे निम्रोद अभी भी गाजा में बंदी हैं। येहुदा ने कहा, नेतन्याहू बंधकों के खिलाफ काम कर रहे हैं। जिस इलाके में बंधकों को रखा गया है, वहां की स्थिति को खराब कर रहे हैं। बंधक और लापता परिवार मंच से संबद्ध लियोर होरेव का कहना है कि युद्ध को लंबा खींचने का फैसला उन लोगों के लिए मौत की सजा होगा जो जिंदा हैं। जीवित और मृत बंधकों को हमास के पंजों से छुड़ाना मुश्किल हो जाएगा। यरुशलम में प्रधानमंत्री कार्यालय के सामने टखनों और कलाइयों में मोटी जंजीरें पहने बंधकों के कुछ परिवारों ने मांग की कि कोई भी फैसला लेने से पहले उनकी आवाज सुनी जाए। यहां मीरान-लावी भी मौजूद थीं। उनके पति ओमरी मीरान 22 महीनों से गाजा में बंधक हैं। मीरान-लावी ने कहा, जब लड़ाई बढ़ाने की योजना का खुलासा हुआ, तो मैंने देश के नेतृत्व से मिन्नतें कीं। मैं यहां यह कहने आई हूं कि हमें अंदर आने दो, हमारी आंखों में देखो और बताओ कि तुम क्या करने वाले हो? एक बार फिर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उधर, तेल अवीव में भी विरोध प्रदर्शन हुआ है। इजराइल के कई कस्बों और शहरों में लोगों ने नुक्कड़ सभाएं की हैं। नेतन्याहू की गाजा में पूर्ण कब्जे की योजना से दक्षिणी इजराइल के किबुत्ज नीर ओज में एक पुनर्निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के लड़ाकों ने किबुत्ज नीर ओज में कब्जा कर लिया था।

500 रुपए किलो तक बिक रही मिठाई, फलों के बढ़े दाम

व्यापारी बोले- 2 करोड़ से अधिक का व्यापार होने की संभावना

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर बाजारों में धूम है। बैढ़न का मुख्य बाजार पूरी तरह से गुलजार है। राखी, फल और मिठाई की दुकानों पर लोगों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। बाजार खरीदारों से भरा हुआ है, जिससे जगह-जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है।

रक्षाबंधन की वजह से बढ़े फलों के दाम: इस साल महंगाई का असर साफ देखा जा सकता है। दुकानदार इसका कारण त्योहारी सीजन बता रहे हैं। मिठाइयों के दाम 500 रुपए प्रति किलो से कम नहीं हैं। फलों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। पहले 50 रुपए में बिकने वाला केला अब 80 रुपए दर्जन तक बिक रहा है। सेब के दाम भी 200 रुपए प्रति किलो से अधिक हो गए हैं।

दुकानदार बोले- नासिक, यूपी से होती है सप्लाई, मांग बढ़ने से बढ़े दाम: स्थानीय दुकानदार बृजेश ने बताया कि नासिक, इंदौर और उत्तर प्रदेश से यहां फलों की सप्लाई होती है, जो एक निश्चित सीमा तक ही बैढन तक पहुंच पाती है। त्योहारों के दौरान मांग बढ़ जाती है, लेकिन सप्लाई उसी रेसियो में नहीं बढ़ पाती। इसी कारण फलों के दाम त्योहारी सीजन में बढ़ जाते हैं।

मिठाई विक्रेता बोले- सप्लायर के कीमत बढ़ा देते हैं: दुकानदार बृजेश ने बताया कि केवल फल ही नहीं, सब्जियों के दाम भी बढ़े हुए हैं। मिठाइयों के थोक विक्रेता रोशन लाल ने बताया कि मावे की मुख्य सप्लाई बैढ़न में उत्तर प्रदेश से होती है। त्योहार के सीजन में सप्लायर अपनी कीमतें बढ़ा देते हैं, जिससे मिठाइयों की कीमतें भी बढ़ानी पड़ती हैं।

दुकानदारों का कहना है कि महंगाई के बावजूद, लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। बाजार में जमकर खरीदारी हो रही है। अनुमान है कि रात 11 बजे तक सिंगरौली में रक्षाबंधन के अवसर पर 2 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार हो सकता है।

दाम बढ़ने के बावजूद चांदी की राखियों की डिमांड: बैढ़न के प्रमुख सर्राफा व्यापारियों में से एक सुभाष सोनी ने बताया कि सोना और चांदी महंगा हुआ है लेकिन ऐसा नहीं है कि सोने और चांदी की राखियो की डिमांड घटी है। बाजार में 200 से लेकर के 2000 तक की चांदी की राखियां बिक रही हैं। जिनमें चैन की डिजाइन वाली राखियां और रेशम के धागों में चांदी के डिजाइन वाली राखियां प्रचलन में है। लोग महंगाई के बावजूद इनकी खरीदारी कर रहे हैं। हां जिनका बजट 2 हजार का है वे 1500 की राखियां खरीद रहे हैं।

सर्पदंश से घबराएं नहीं- 1 घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि विन्ध्य क्षेत्र में प्रमुख रूप से तीन जहरीले सांपों, करैत, रसेल वाइपर तथा कोबरा के काटने के कारण मौत की घटनाएं होती हैं। साँप काटने के बाद एक घण्टे की अवधि में सही उपचार होने पर पीड़ित की जान आसानी से बचाई जा सकती है। साँप काटने के तत्काल बाद निकट के अस्पताल जाकर एक घण्टे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन जिले के सभी विकासखण्डों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल में उपलब्ध है। समय पर इंजेक्शन लगने पर जान का खतरा समाप्त हो जाता है।

साँप काटने के स्थान पर तीखी जलन होती है। पीड़ित को अवसाद, उल्टी आना, लकवा तथा आँख की पुतलियों के फैल जाने के लक्षण दिखाई देते हैं। विष का प्रकोप होने के बाद पीड़ित में माँसपेसियों में ऐंठन और चेतनाहीनता हो जाती है। इसके बाद साँस रूकने से मौत हो जाती है। विष का सर्वाधिक असर तंत्रिका तंत्र और साँस लेने में होता है। कई बार साँप के काटने के स्थान पर सूजन आ जाती है तथा काटा हुआ स्थान काला पड़ जाता है। साँप काटने के बाद हाथ पैरों में झनझनाहट, चक्कर आना, पसीना छूटना, दम घुटना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। सर्पदंश के बाद तत्काल अस्पताल जाकर पीड़ित का उपचार कराएं। झोलाछाप डाक्टरों तथा झाड़फूंक करने वालों के चक्कर में पड़कर समय न गवाएं। सर्पदंश से पीड़ित के काटने के स्थान से थोड़ा ऊपर हल्की पट्टी बांधे। काटने के स्थान पर चीरा भी न लगाएं इससे संक्रमण का खतरा रहता है। सर्पदंश तथा अन्य जहरीले कीड़ों के काटने से बचने के लिए कुएं, अंधेरे गड्ढे, झाड़ियों आदि में हाथ न डालें। घर से बाहर निकलते समय जूते अवश्य पहनें। ठंडे, अंधेरे और नम स्थानों में साँप छिपते हैं, ऐसे स्थानों में जाने से बचें। सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से लीनेस क्लब कामाख्या सीधी द्वारा आयोजित की गई स्तनपान जागरूकता की गतिविधियाँ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर सीधी जिले में 6 अगस्त को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबीता खरे एवं जिला चिकित्सा अधिकारी -1 जिला चिकित्सालय सीधी डॉ सुनीता तिवारी एवं मातृ स्वास्थ्य समन्वयक रश्मि सोनी एवं लीनेस क्लब कामाख्या सीधी की अध्यक्ष मिश्रा नर्सिंग हॉस्पिटल सीधी डॉ बीना मिश्रा के सहयोग से ग्राम कोठार सरपंच सुनीता सिंह के नेतृत्व में स्तनपान जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, स्लोगन, भाषण, शपथ, सखी मिलन समारोह ,राखी बांधकर उपस्थित जन समुदाय को स्तनपान के महत्व को समझाया गया। स्तनपान सखी बनाकर राखी बांधकर उपस्थित महिलाओं से स्तनपान को प्रोत्साहित करने का वचन लिया गया। इस जन-जागरूकता कार्यक्रम में शर्मिला सिंह, वर्षा सिंह, मिनाक्षी द्विवेदी, आराधना सिंह, अंजू शर्मा, नीलम अंसारी, नीतू गुप्ता, रेखा स्वरूप, तारा तिवारी, रश्मी सोनी, सपना सिंह, सुनीता सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीधी का भितरी स्कूल सिर्फ कागजों में चल रहा, नकल का अड्डा बना, संस्थापक सदस्यों की शिकायत पर कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले का हरिजन आदिवासी उच्च माध्यमिक विद्यालय भितरी, जो कभी शिक्षा का मंदिर माना जाता था, अब शिक्षा माफिया का गढ़ बन गया है। स्कूल का भवन जर्जर है। फर्नीचर की स्थिति खराब है। नियमित कक्षाएं भी नहीं चलतीं। फिर भी कागजों में यह विद्यालय पूरी तरह संचालित दिखाया जाता है। कक्षा 1 से 10 तक नामांकन दर्ज हैं, लेकिन वास्तविकता में केवल 9वीं-10वीं के कुछ छात्र ही कभी-कभार स्कूल आते हैं।

स्कूल का खाली स्टाफ रूम इस बात का प्रमाण है कि यह विद्यालय अब केवल परीक्षा देने और पास कराने का केंद्र बन चुका है। आरोप है कि 10 साल से कधवार हायर सेकंडरी स्कूल में ही परीक्षा केंद्र तय होता है। वहां खुलेआम नकल होती है।

1980 के दशक में गांव के बुजुर्गों ने यह विद्यालय इसलिए शुरू किया था, ताकि बच्चों को दूर न जाना पड़े, लेकिन अब 65 वर्ष से अधिक आयु के सभी संस्थापक सदस्यों को समिति से बाहर कर दिया गया है। उन्हें न तो कोई सूचना दी गई और न ही कारण बताया गया।

संस्थापक सदस्य डॉ. रामलाल शर्मा ने कहा, हमने मेहनत से यह विद्यालय खड़ा किया था। अब यह केवल कागजों में चल रहा है। हजारों छात्रों का नामांकन सिर्फ नकल और पास होने के भरोसे है।

पूर्व प्राचार्य अरुण सिंह ने बताया, मैंने नकल का विरोध किया। इसी वजह से मुझे पद से हटा दिया गया। उन्होंने 20 साल तक स्कूल में सेवा दी थी।

सीधी जिले के जिला शिक्षा अधिकारी पवन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर 1 बजे कुछ वृद्ध उनके और कलेक्टर के पास शिकायत लेकर पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस स्कूल में अध्ययन और अध्यापन का कार्य नहीं होता। जिला शिक्षा अधिकारी ने आश्वासन दिया कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई होगी।

1300 की डीएपी खाद 1400 रुपए में मिल रही, किसानों ने की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सिहावल जनपद पंचायत क्षेत्र की अमिलिया सहकारी समिति पर किसानों से खाद के अधिक दाम वसूलने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि समिति प्रबंधक और कर्मचारी यूरिया और डीएपी खाद निर्धारित दर से अधिक कीमत पर दे रहे हैं।

अमिलिया निवासी अजय कुमार साहू ने शुक्रवार शाम बताया कि 1300 रुपए में मिलने वाली डीएपी खाद उन्हें 1400 रुपए में दी गई। जब उन्होंने कारण पूछा तो जवाब मिला - लेना है तो लो, नहीं लेना है तो वापस रख दो।

किसान बोले- पुराना टोकन मान्य नहीं है: किसान कमलापति तिवारी ने बताया कि मुझे 6 दिन पहले टोकन दिया गया था, लेकिन खाद नहीं मिली। अब नया टोकन दिया जा रहा है और कहा जा रहा है कि पुराना टोकन मान्य नहीं है। अतिरिक्त पैसे वसूलने के बावजूद उन्हें खाद उपलब्ध नहीं कराई जा रही है।

सैकड़ों किसान पिछले कई दिनों से गोदाम के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई मदद नहीं मिल रही। ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत एसडीएम सिहावल प्रिया पाठक और अन्य अधिकारियों से की है।

एसडीएम प्रिया पाठक ने कहा, हम पूरे मामले की जांच करेंगे, यदि किसानों से अधिक पैसे लिए गए हैं तो संबंधितों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों का कहना है कि समय पर खाद नहीं मिलने से उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं। खरीफ और रबी सीजन में समय पर खाद की आपूर्ति कृषि उत्पादन के लिए बेहद जरूरी होती है। अनियमितता और लापरवाही से किसानों की मेहनत पर असर पड़ रहा है।

2025 ग्राम अमरपुर में किया गया विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा 08 अगस्त को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन ग्राम अमरपुर में किया गया।

उक्त जागरूकता शिविर में शिवहरे ने उपस्थित ग्रामीणजन को सालसा एवं नालसा की योजना, पाक्सो अधिनियम, बच्चों को मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, लोक अदालत, विधिक सहायता, मध्यस्थता के बारे में जानकारी दी। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक ने उपस्थित ग्रामीण जन को आदिवासियों के कानूनी अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों को विधिक सेवा योजना, बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा, महिलाओं के अधिकार, घरेलू हिंसा, भरण पोषण, नालसा (नशा पीड़ितों को विधिक सेवाऐं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाऐ) योजना, 2015, आदिवासियों को विधिक सेवाएं, नालसा (गरीबी उन्मूलन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन), नालसा, सालसा एवं शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकरी मनीष कौशिक ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन को न्याय दिलाने हेतु निरंतर कार्यरत है।

लड़के लूटने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार, मोबाइल और रुपए बरामद

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक किशोर के साथ हुई लूट में पुलिस ने शुक्रवार दोपहर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया मोबाइल फोन और नकदी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार, टिहकी से घर लौटते समय 16 वर्षीय किशोर का भाई बाथरूम जाने के लिए वन विहार के पास रुका। किशोर सड़क पर अकेला बाइक पर बैठा था, तभी दो बाइकों पर सवार होकर तीन बदमाश पहुंचे और किशोर को धमकाकर उसका मोबाइल फोन और तीन हजार रुपए लूटकर भाग गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।

थाना प्रभारी अरुण पांडे ने आरोपियों की तलाश के लिए तीन टीमें गठित कीं। कुछ घंटों में ही पुलिस ने आरोपियों को रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सागर बारगाही, बालकिशन शुक्ला और एक नाबालिग के रूप में हुई। पुलिस ने उनके पास से लूटा हुआ मोबाइल और नकदी के साथ-साथ घटना में इस्तेमाल की गई दो बाइकें भी जब्त कर ली हैं।

जिला न्यायालय परिसर के एडीआर सेंटर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक के द्वारा दिनांक 08.08.2025 को जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे के द्वारा बताया गया कि ग्रामीणों को विवाद विहीन ग्राम योजना के महत्व को और ग्राम की मूलभूत सुविधाओं के विषय में अवगत कराया गया। ग्रामीणों को अवगत कराया गया कि किसी भी विषय पर दो पक्षों में विवाद उत्पन्न होने पर सर्वप्रथम उसे मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने के प्रयास किया जाना चाहिए। आगामी लोक अदालत के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। साथ ही लोक अदालत में होने वाले फायदे के बारे में ग्रामवासियों को बताया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों की न्याय तक पहुंच आसान बनाने के लिए ही विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सत्यप्रकाश पाण्डेय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण राजेश सिंह, उमाकांत शुक्ला एवं जिला न्यायालय के कर्मचारीगण सहित आमजन उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक 783/ई-टेंडर/विद्युत/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 07.08.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_442960_1 07.08.2025 (FIRST CALL) 783/07.08.2025	नगर पालिक निगम रीवा के नवीन कार्यालय भवन में आयुक्त सभागार में स्मार्ट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेटअप लगानें का कार्य।	1 माह ₹08.20 लाख	₹2000.00 ₹8200.00	22.08.2025 18:00 बजे तक।

नोट: - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **https://mptenders.gov.in** की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यालय यंत्री (विद्युत)
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

दिल्ली की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल, अति विशिष्ट इलाके में महिला सांसद झपटमारी की हो गई शिकार

संपादकीय

दिल्ली की कानून व्यवस्था पर इससे बड़ा सवालिया निशान क्या होगा कि अति विशिष्ट इलाके में झपटमार एक महिला सांसद की चेन छीन कर भाग जाएं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आम आदमी किस कदर असुरक्षित माहौल में रहने पर मजबूर है। सुरक्षा चाक-चौबंद होने के तमाम दावों के बावजूद दिल्ली में जिस तरह से पिछले कुछ वर्षों में झपटमारी, लूटपाट और हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं, उससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठे हैं। यह हाल तब है जब दिल्ली में दो-दो सरकारें हैं और पुलिस सीधे केंद्र के नियंत्रण में है।

ताज्जुब है कि अपराधियों पर नजर रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीकी संसाधन होने पर भी अपराधों पर काबू नहीं पाया जा सका है। अगर दिल्ली पुलिस में पर्याप्त बल की अब भी कमी है, तो इसे पूरा करने की जिम्मेदारी किसकी है? गौरतलब है कि दिल्ली के चाणक्यपुरी जैसे अति विशिष्ट इलाके में सोमवार की सुबह सैर के लिए निकलीं तमिलनाडु की लोकसभा सांसद आर सुधा स र ` आ ा म झपटमारी की शिकार हो गई। पोलैंड दूतावास के पास से गुजरते समय झपटमार उनसे सोने की चेन छीन कर भाग गया। छीना-झपटी के क्रम में उनके गले में चोट भी आई।

पुलिस की कार्यशैली और उसके प्रभाव पर भी गंभीर सवाल दिल्ली के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में यह चौंका देने वाली घटना तो है ही, इससे पुलिस की कार्यशैली और उसके प्रभाव पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। खासतौर पर ऐसे समय में, जब संसद सत्र चल रहा हो और इस दौरान दिल्ली के केंद्रीय हिस्से में सुरक्षा व्यवस्था सख्त मानी जाती है। मगर इस घटना के बाद यह कहा जा सकता है कि आम आपराधिक घटनाओं के समांतर दिल्ली में बहुस्तरीय सुरक्षा इंतजामों के घेरे वाले इलाके में भी अगर महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो देश के बाकी हिस्सों में क्या उम्मीद की जा सकती है? स्वाभाविक है कि इस घटना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित जांच की उम्मीद की जानी चाहिए, लेकिन सवाल है कि कई दूतावासों वाले इलाके में भी पर्याप्त पुलिस बल की ऐसी मौजूदगी क्यों नहीं थी कि असामाजिक तत्त्वों से निपटा जा सके? अगर अति विशिष्ट क्षेत्र में अपराधी अपने मंसूबे में कामयाब हो रहे हैं, तो दिल्ली के दूसरे इलाकों में सड़कों पर आम आदमी की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अच्छे दिन बीते रे बंधु

सुरेश सेठ

दुनिया युद्धों के बीच लिपटी हुई है। इसके बावजूद हमने अच्छे दिन आने की उम्मीद रखी थी कि आंकड़ा शास्त्रियों ने घोषणा कर दी, लो तुम्हारे अच्छे दिन तो आकर चले भी गए। देखते नहीं हो, शेयर बाजार सूचकांकों ने कैसी उछाल भरी थी। उधर शहर के चुनिंदा रईस अब रईस कहलाना पसंद नहीं करते। रईस कहो तो हुक्का गुडगुड़ाते हुए तिल्ला किनारी वाले सोनरंगे अंगरखे पहने हुए हवेलियों वाले याद आ जाते हैं कि जिनकी हवेलियों के कद हर बरस ऊंचे हो जाते हैं। दादा जान कहा करते थे, 'जिन्होंने हाथी पालने हो ऐसे रईसों को अपनी ड्योढियों के दरवाजे ऊंचे रखने चाहिएं।' लेकिन जमाना बदल गया। उन्हें कितनी उम्मीद थी कि कभी इन ड्योढियों में हमारा घुसना भी हो सकेगा। क्या फुटपाथों पर आलीशान दरवाजे लग जाएंगे? सारा कालाधन बाहर आ जाएगा, और उनकी दुनिया इतनी साफ सफेद हो जाएगी, कि आम आदमी के खाते में पन्द्रह-पन्द्रह लाख रुपए जमा हो जाएंगे। जमा हुए हुजूर, जनता खातों में जमा हुए, इतना अधिक काला धन जमा हुआ कि हवेलियों वालों को सफेदपोश बना गया। लेकिन जो फुटपाथ पर बैठे थे, उनके लिए मुख्यद्वार कहां लगे? वे लोग तो धंसते हुए फुटपाथों के जानशीं बनते चले गए, और उधर सरकारी खातों में लिखा गया, लो सब फुटपाथों का नवीनीकरण हो गया। हां, धंसते हुए फुटपाथ और टूटी-फूटी सडक़ें जो मरम्मत के ठेकेदारों की कृपा से और भी टूट-फूट गई हैं, और नाम लग गया मानसून के अप्रत्याशित तेवरों का। लगातार बादल फटने का, बाढ़ की अचानक आमद का, यह अपने साथ अभी मरम्मत की गई सब सडक़ों को बहा ले गया। किसी ने नहीं पूछा कि बंधु, जब सावन के आने की प्रतीक्षा लंबी होती जा रही थी, तो यूं ऐसे वक्त में सडक़ों की मरम्मत के लिए नए ठेकेदार क्यों लगा दिए? सावन बीत जाने पर मरम्मत होती, तो क्या बेहतर न होता? जी नहीं, बिल्कुल न होता। घपला, घोटाला करने वालों को तब मुक्ति द्वार कैसे मिलते, वह कहते रहे हम तो चमचमाती सडक़ों वाले अच्छे दिन लाए थे। यह सावन ही खलनायक बन सब बहा ले गया। अब न कहना कि अच्छे दिन लाने का वायदा पूरा नहीं हुआ। वायदा तो पूरा कर दिया था, लेकिन प्रकृति के कोप पर किसी का क्या बस है? भगवान की मर्जी के आगे किसी का कोई बस नहीं चलता। लीजिए, न जाने कितनी सदियां हो गई अपनी गरीबी, अभाव और भुखमरी को दुर्भाग्य के सितम या भगवान की मर्जी के हवाले करते हुए। पूरा देश भाग्यशाली बना, हस्तरेखा विशारदों और नजूमियों के हवाले कर दिया गया, और कर्मशीलता, चरैवेति चरैवेति अपनी जिंदगी खुद बनाने के उपदेश केवल मंचों के हवाले कर दिए गए। उम्मीद के पहाड़ ढोते-ढोते उनके कंधे शिथिल पड़ गए, लेकिन मंजिल मिलने का सपना एक बार रूठा तो जिंदगी में लौट कर नहीं आया। उधर बड़े लोगों की जिंदगी से हवेलियां रूठीं तो बहुमंजिली इमारतों के रूप में छवि बदल कर आ गई। मर्सिडीज, टोयोटा और अब तो टेस्ला जैसी आयातित गाडियों ने हाथियों की जगह ले ली। अब तो ड्योढियों के दरवाजे चौड़े करवाने की भी जरूरत नहीं। इन गाडियों के खड़े होने के लिए मंजिल दर मंजिल गैराज बनने लगे। और सफेद हाथी का नाम तो योजना आयोग को देकर नकार दिया गया, जो योजनाबद्ध आर्थिक विकास के सहारे गरीबों के लिए अच्छे दिन लाने की उम्मीद लेकर आया था, लेकिन वे उम्मीद ही क्या जो उनके लिए कभी वफा हो जाए। अच्छे दिन आगामी अतीत बन गए, उनके पास तो यादों की कोई बारात भी नहीं है सजाने को। यादों की कोई मिठास भी होती है, ऐसा उन्होंने कभी जाना नहीं। हरी घास पर ठिठक कर किन अच्छे दिनों का एहसास तक पास फटकने नहीं दिया।

रक्षाबंधन और सनातन संस्कृति

> यह रक्षासूत्र केवल बहन-भाई के रिश्ते का प्रतीक नहीं था, बल्कि धर्म, शक्ति और रक्षा का सूचक था। रक्षासूत्रों का उपयोग सामाजिक, धार्मिक और राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हुआ। उदाहरण के लिए, भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा तब की जब उसने उन्हें रक्षासूत्र बाँधा था। भागवत पुराण में आता है कि जब देवासुर संग्राम में इंद्र परेशान थे, तब उनकी पत्नी इंद्राणी ने उनके हाथ में रक्षासूत्र बाँधा। उसी दिन श्रावण पूर्णिमा थी, और तभी से इस दिन को ÷रक्षा बंधन÷ का पर्व माना गया। राजनीतिक संदर्भ में रानी कर्णावती ने मुगल सम्राट हुमायूं को रक्षासूत्र भेजकर अपने राज्य की रक्षा का अनुरोध किया था।

डॉ. शिवानी कटारा

सनातन संस्कृति में 'रक्षा' और 'बंधन' दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण अवधारणाएं हैं। %रक्षा% का अर्थ केवल शारीरिक सुरक्षा नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रक्षा भी है। वहीं 'बंधन' किसी को बाधित करने वाला नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और मर्यादा से जुड़ा आत्मिक संबंध है। रक्षाबंधन का मूल बहुत प्राचीन है । इसका सबसे प्रारंभिक उल्लेख वेदों में ÷रक्षासूत्र÷ के रूप में मिलता है। यजुर्वेद में ब्राह्मण पुरोहितों द्वारा यज्ञ या धार्मिक अनुष्ठानों के समय राजा या यजमान की कलाई में रक्षासूत्र बाँधने की परंपरा थी, जिससे उसकी रक्षा दैविक शक्तियों के द्वारा हो सके। मंत्र था- ÷येन बद्धो बलिराजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वाम् प्रतिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल॥÷

यह रक्षासूत्र केवल बहन-भाई के रिश्ते का प्रतीक नहीं था, बल्कि धर्म, शक्ति और रक्षा का सूचक था। रक्षासूत्रों का उपयोग सामाजिक, धार्मिक और राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हुआ। उदाहरण के लिए, भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा तब की जब उसने उन्हें रक्षासूत्र बाँधा था। भागवत पुराण में आता है कि जब देवासुर संग्राम में इंद्र परेशान थे, तब उनकी पत्नी इंद्राणी ने उनके हाथ में रक्षासूत्र बाँधा। उसी दिन श्रावण पूर्णिमा थी, और तभी से इस दिन को ÷रक्षा बंधन÷ का पर्व माना गया। राजनीतिक संदर्भ में रानी कर्णावती ने मुगल सम्राट हुमायूं को रक्षासूत्र भेजकर अपने राज्य की रक्षा का अनुरोध किया था।

यह एक ऐसा पर्व है जो कर्तव्यबोध, नारी सम्मान, सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता को प्रेरित करता है और धर्म, समाज और आत्मीयता के बीच पुल का कार्य करता है। आज जब समाज में आत्मीय रिश्ते कमजोर पड़ते जा रहे हैं, तब रक्षाबंधन हमें स्मरण कराता है कि रक्षा का अर्थ केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि सम्मान, विश्वास और स्नेह का संवाहन है।

रक्षाबंधन भारत का एक पारंपरिक पर्व है, लेकिन इसका प्रभाव और महत्त्व अब केवल भारत तक सीमित नहीं रह गया है। प्रवासी भारतीयों की बढ़ती संख्या के कारण यह पर्व अब सांस्कृतिक कूटनीति, वैश्विक भाईचारे और मानवीय संबंधों के प्रतीक के रूप में उभर रहा है और अब एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बन रहा है। सांस्कृतिक संगठनों, भारतीय दूतावासों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से भी इसे मनाया जाता है। भारत सरकार के इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस (ICCR) जैसे संस्थान रक्षाबंधन जैसे पर्वों को विदेशी धरती पर मनाकर भारत की "soft power" को सशक्त करते हैं। वैश्विक मानवीय मूल्यों से साम्यता होने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय संगठन और स्कूल इसे Brotherhood Day या Universal Bond Day की तरह मनाने लगे हैं। कई मुस्लिम, सिख और ईसाई परिवार भी इस पर्व को मानवीय रिश्तों के प्रतीक के रूप में अपनाते हैं।

रक्षाबंधन धर्मनिरपेक्ष सौहार्द का सुंदर उदाहरण है जिसे भारत की सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage) के रूप में भी देखा जाता है। योग, आयुर्वेद और दीपावली की तरह यह त्योहार भी विश्व पटल पर भारत की पहचान बन रहा है। आज की युवा पीढ़ी, जो तकनीक, वैश्वीकरण और आधुनिक जीवनशैली के बीच बड़ी हो रही है, उसके लिए रक्षाबंधन एक संभावना और चुनौती दोनों बन चुका है- संभावनाएं अपनी जड़ों से जुड़ने की और चुनौती इन परंपराओं को अपने व्यस्त जीवन में सहेजने की। भले ही कई बार व्यस्त जीवन और दूरी के कारण भाई-बहन एक-दूसरे से दूर होते हैं, लेकिन रक्षाबंधन के दिन डिजिटल माध्यमों से, वीडियो कॉल या ऑनलाइन उपहार भेजकर इस पर्व को मनाने की भावना अब भी जीवित है।

आज की पीढ़ी रक्षाबंधन को केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा की जिम्मेदारी के रूप में नहीं देखती, बल्कि वह इसे बराबरी और परस्पर सम्मान के रूप में देखती है। युवा वर्ग अब इस त्योहार को सामाजिक सीमा से ऊपर उठाकर मित्रों, गुरुओं, और यहाँ तक कि सैनिकों तक भी फैला रहा है। इससे यह पर्व केवल पारिवारिक बंधन तक सीमित न रहकर एक व्यापक सामाजिक भावना का प्रतीक बन चुका है। रक्षाबंधन का असली संदेश- ÷रक्षा, विश्वास और प्रेम÷ ङ्क आज भी उतना ही प्रासंगिक है, चाहे वह पारंपरिक धागे में बंधा हो या डिजिटल संदेश में। रक्षाबंधन अब केवल एक पारिवारिक या धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि वैश्विक समाज को जोड़ने वाला एक अद्भुत सांस्कृतिक सूत्र बन चुका है। यही सनातन संस्कृति की विशेषता है- वसुधैव कुटुंबक

तेरे घूंघट में तेरा ताज

मंडी में आई आपदा ने हिमाचल के कई पन्ने पलट दिए। पहले विकास के नाखून देखे गए, फिर व्यवस्था की आंच देखी और अंत में मंडी में शहरीकरण की तबाही देखी गई, लेकिन इससे हटकर गंदी सियासत और सियासी आक्रोश की झंडियों में उठता विषाद भी देखा गया। देखा गया कि गुरूर और सुरूर में राजनीति होगी, तो आपदा में भी भमिकाएं लड़ेंगी और हुआ भी यही कि कुशल क्षेम पूछने आए मंत्री के काफिले पर जूते और चप्पल गिर गई तथा संघर्ष की गाथा में एफआईआर घुस गई। अब कहीं विपक्ष का आंदोलन गले पड़ी एफआईआर से मुकाबिल है और मंडी की बर्बादी के नजारे दर्शक दीर्घा बन गए। जरूर सीखा होगा जनता ने कि बादलों से टकराव अच्छा नहीं, लेकिन यहां सत्ता के बादल और विपक्षी बादलों में जो टकराव है, उसकी वजह से सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, व्यवस्थागत तथा क्षेत्रवादी आपदाओं से कौन बचाएगा। पाले बदलता हिमाचल यह तो देख लेता है कि अबकी बार (?) किसकी सरकार, लेकिन अपना उद्धार नहीं कर पाता। राजनीति तौर पर ही देखें तो कांग्रेस को राज्य में चलाने वाला एक अदद नया अध्यक्ष चाहिए, लेकिन पार्टी के गुबंद पर परिंदों को पकडऩे का मुकाबला है। जिस पार्टी को अपनी सरकार के रुतबे और जज्बात को आगे बढ़ाना है, वहां रूठने वालों के घूंघट के भीतर ताज खोजने की अंताक्षरी चल रही है। यही वजह है कि ढाई साल की सत्ता ने अभी तक मिशन रिपीट की धरा पर आजमाइश शुरू नहीं की। बेशक सुक्खू सरकार के कई फैसले अहम रहे या परिवर्तन की दिशा में हिमाचल अपने वहम छोडक़र दृढ़ प्रतिज्ञ होने लगा। बहुत सारे मसले राजनीतिक नहीं होते, लेकिन सराज और मंडी की आपदा सियासी हो गई तो कांग्रेस के चिराग कौन जलाएगा। आश्चर्य यह कि एक मंत्री के खिलाफ विपक्ष का हल्ला अनापेक्षित व्यवहार के बावजूद, सरकार के संज्ञान या कानूनी कार्रवाई के खिलाफ मंडी में हल्ला बोल रहा है, लेकिन सामने कांग्रेस नहीं है। हिमाचल में केंद्रीय राहत की स्थिति उपेक्षा से भरी दिखाई दे रही है, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी अंतहीन चुनाव की महफिल में सजी दिखाई दे रही। उत्तराखंड की पूरी सियासत दिल्ली में जद्दोजहद कर रही है कि राहत की सारी उम्मीदें सफल हो जाएं, लेकिन हिमाचल का सत्तारूढ़ दल विपक्षी सांसदों से ढंग से यह भी नहीं पूछ पाया कि हिमाचल को अपना कहने वाले प्रधानमंत्री तथा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने आखिर हमारे वजूद पर कितना रहम खाया। बहरहाल आपदा के समय ने कानून-व्यवस्था के नए पहरे जरूर सिखा दिए ताकि जब प्रभावित लोगों के बीच या भीड़ में मंत्री चलें, तो सुरक्षा की पैनी नजर भी रहे। मंडी पुलिस ने सराज में मंत्री के साथ हुए अवांछित व्यवहार को अपने फर्ज की हर तह तक देख कर तय किया कि हिमाचल में महिला क्विक रिस्पांस टीम(क्यू आर टी) का गठन होना चाहिए। इसे हम आपदा में अवसर के पैमानों पर तोलें या सियासत की उलझनें हमें कानून-व्यवस्था को और पैना करने की सलाह दे रही हैं। सियासी मुकाबले की हर जंग यूं तो आपदा के दौरान विराम में होनी चाहिए, लेकिन हिमाचल ने बता दिया कि प्रदेश अब अपने दर्द की वकालत में भी राजनीति और राजनेताओं की शोहरत देखेगा। यह इसलिए भी कि दो पार्टियों के बीच हिमाचल की कभी स्वतंत्र व मौलिक अभिव्यक्ति नहीं हुई। जिसका सूरज चढ़ता है, वही आसमान पर दिखाई देता है। राजनीति के विकल्पों का अभाव बताता है कि मुड़-मुड़ कर पार्टियां पुराने अधिकारों के साथ बार-बार उन्हीं चंद नेताओं को परख रही हैं। हिमाचल के सियासी संतुलन, नागरिक उत्थान, मुददों-मसलों के व्याख्यान और राजनीति में नई ऊर्जा के संचार के लिए एक अलग से मोर्चा या ऐसा क्षेत्रीय दल होना चाहिए जो राज्य की वास्तविकताओं में राजनीति का अलग नक्शा पैदा कर दे, वरना आलाकमान या केंद्रीय नेताओं के वरदान पर हम मन्नतें करते रहेंगे और एक ऐसे शासक वर्ग से उम्मीद करते रहेंगे, जो कि सिर्फ स्वार्थ और संकीर्ण राजनीति का उपासक साबित हो चुका है।

वैश्विक दबावों के बीच देश की छवि पर ही चोट करने में लगे कुछ विपक्षी नेता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पिछले कुछ वर्षों में भारत वैश्विक मंच पर जिस तरह सशक्त आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा, वह न केवल उसकी नेतृत्व क्षमता का परिणाम है बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायतता और व्यापारिक कुशलता की पुष्टि भी है। ऐसे समय में जब वैश्विक भू-राजनीति अपने अस्थिरता के दौर से गुजर रही है; विशेष रूप से अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी युद्ध, रूस-यूक्रेन संघर्ष और ऊर्जा संकट के संदर्भ में दुनिया के कई देशों के बीच आपसी तालमेल। ऐसे में भारत ने अपने हितों को प्राथमिकता पर रखते हुए अनेक संतुलन साधे है। लेकिन दुर्भाग्यवश, इस संतुलन को बार-बार कमजोर करने का काम बीते कुछ समय से लगातार विपक्ष द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है, जिसमें कि भारत की आर्थिक छवि को दांव पर लगाने का काम हुआ है। वैसे यह सच है कि राजनीतिक विरोध का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन जब यह विरोध ऐसे मोड़ पर पहुंच जाए कि वह विदेशी ताकतों के साथ 'सुर में सुर' मिलाने लगे और राष्ट्र की छवि को धूमिल करने लगे, तब यह अवश्य चिंता का विषय बन जाता है। आज राहुल गांधी के बयानों का समर्थन करनेवालों को यह बात जरूर याद रखनी चाहिए। वस्तुत- इस पूरे परिदृश्य में जब भारत की ओर से कूटनीतिक स्तर पर समाधान की कोशिशें चल रही हैं, उसी समय विपक्षी नेताओं द्वारा आर्थिक गुलामी, घुटने टेकना, विदेश नीति विफल जैसे जुमलों का प्रयोग कर देश की संप्रभुता और आर्थिमकी पर सवाल उठाना राष्ट्रीय हित के प्रतिकूल प्रतीत होता है। अभी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा देश की सुरक्षा पर प्रश्न उठाने के बाद आर्थिमकी को कटघरे में खड़ा करने का बयान पुराना भी नहीं हुआ कि एक बार फिर उन्होंने कहा है कि 'प्लीज भारत ये समझने की कोशिश करे कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप की बार-बार की धमकियों के बावजूद, उनके सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसका कारण अडानी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है।' राहुल की तरह समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कह रहे हैं कि हमारी विदेश नीति ही विदेश चली गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का यह दावा कि ट्रंप के सामने प्रधानमंत्री मोदी खड़े नहीं हो पा रहे हैं, या इससे पहले यह बयान देना कि ÷भारत की अर्थव्यवस्था मर चुकी है÷ और ÷मोदी सरकार ने इसे खत्म कर दिया है÷, वास्तव में घोर आपत्त? जनक है। क्योंकि उनके इस तरह के बयान देश की आर्थिक साख को वैश्विक मंच पर कमजोर करने का काम ही कर रहे हैं। आश्चर्य तो यह होता है कि अपने इस दावे के समर्थन में जिस तरह से 'अडानी-मोदी साझेदारी', नोटबंदी, त्रुटिपूर्ण जीएसटी, एमएसएमई संकट और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को गिनाते हैं, उनके कोई अधिकारिक आंकड़े आज तक प्रस्तुत नहीं कर सके हैं। दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 25त्न टैरिफ लगाने की धमकी कोई छोटी बात नहीं है। लेकिन जिस तरह कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत सरकार पर आरोप लगाने शुरू किए हैं, वह एक गहरी राजनीतिक चूक को ही आज दर्शा रहे हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि भारत की विदेश नीति आज पहले से कहीं अधिक रणनीतिक, स्वायत्त और बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय हुई है।

ट्रंप के आरोप और अडानी को घसीटना: राहुल गांधी ने अपने हालिया बयानों में ट्रंप द्वारा दिए गए संकेतों और अडानी समूह के खिलाफ अमेरिका में कथित जांच को आपस में जोड़ते हुए कहा कि ÷मोदी इसलिए ट्रंप के सामने चुप हैं क्योंकि अडानी के खिलाफ मामला चल रहा है और दोनों के वित्तीय रिश्ते उजागर हो सकते हैं।÷ यह कहना न केवल अडानी समूह के खिलाफ बिना सबूत के अंतरराष्ट्रीय मंच पर आरोपों को मजबूती देना है, बल्कि देश के प्रधानमंत्री की साख पर भी सीधा प्रहार है। भारत की वैश्विक छवि, निवेशकों का विश्वास और रणनीतिक निर्णय-क्षमता इन बयानों से प्रभावित होती है। निवेशक समुदाय ऐसी अस्थिर राजनीतिक टिप्पणियों को आर्थिक जोखिम के रूप में देखता है, जिससे भारत में निवेश का माहौल प्रभावित हो सकता है। आज राहुल गांधी को लेकर आश्चर्य तो इस बात का भी होता है कि भले ही वे नेता प्रतिपक्ष हैं, किंतु उनके बयान कितने अधिक बचकाने हैं । लगभग हर साल राहुल गांधी ने कम से कम एक बयान ऐसा जरूर दिया है, जो बाद में झूठा साबित हुआ और मामला जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, तो वहां से भी उन्हें सिर्फ फटकार मिली है। इस संदर्भ में उनके ये बयान प्रमुखता से देखे जा सकते हैं। भारत अब 'संघीय' नहीं, 'राज्यविहीन' गणराज्य है, भारत अब चीन और पाकिस्तान से दो मोर्चों पर घिर चुका है और यह प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की विफलता है।

यूक्रेन युद्ध में भारत की 'तटस्थ' नीति को लेकर राहुल का कहना रहा कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दम पर नहीं खड़ा हो पा रहा है क्योंकि उसकी विदेश नीति अब स्वतंत्र नहीं रही। यह बयान पश्चिमी देशों के दबावों के बीच भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर गंभीर सवाल खड़े करता प्रतीत हुआ। लंदन दौरे पर जब राहुल जाते हैं तो वहां कहते हैं कि भारत में अब संस्थाएं बर्बाद हो चुकी हैं, यहाँ लोकतंत्र सिर्फ दिखावे के लिए है।÷ इसे विदेशी भूमि पर भारत की छवि को धूमिल करने वाला बयान माना गया और संसद में इस पर विरोध दर्ज किया गया। इसी तरह से आज जब यूरोपीय देश, अमेरिका इत्यादि जिस मुस्लिम ब्रदरहुड पर प्रतिबंध लगाने के लिए विचार कर रहे हैं, उस इस्लामिक जिहादी कट्टरपंथी संगठन के लिए राहुल कहते हैं, मुस्लिम ब्रदरहुड की विचारधारा में दम है। वे मुस्लिम ब्रदरहुड को लोकतांत्रिक आंदोलन के रूप में स्थापित करते हुए दिखते हैं।

क्या विपक्ष आर्थिक विषयों को नहीं समझता?- यह प्रश्न हर उस भारतीय का है जो अपने देश को हर तरीके से मजबूत स्थ?ति में देखना चाहते हैं। किंतु राहुल गांधी के व्यवहार से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारतीय विपक्ष खासकर राहुल और अखिलेश जैसे नेता आर्थिक नीति, वैश्विक व्यापार, भू-राजनीतिक रणनीति और वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर एक परिपक्क दृष्टिकोण से बात नहीं करते। इनके वक्तव्यों में आंकड़ों की कमी, नीतिगत विश्लेषण का अभाव और वैश्विक संदर्भों की अनदेखी दिखती है। इनके बयान भावनात्मक हैं, तथ्यों से रहित हैं और राजनैतिक उद्देश्यों से प्रेरित हैं। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक मंचों पर भारत को वैश्विक दक्षिण का नेतृत्वकर्ता, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप हब के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं और जब भारत जी-20 जैसे अवसरों का लाभ उठाकर निर्णायक की भूमिका में आ रहा है; तब ऐसी टिप्पणियां जो ÷देश खत्म हो गया÷, ÷विदेश नीति खत्म हो गई÷, ÷आर्थिक गुलामी÷ इत्यादि यही कहती हैं, वे देश के भीतर नकारात्मक माहौल बनाकर भारत की उभरती भूमिका को कमजोर करने में लगे हुए हैं। आज राहुल जैसे भारतीय नेताओं को यह समझ क्यों नहीं आता कि विश्व अब भारत की नीतियों को गम्भीरता से लेता है। एक सांसद या पूर्व मुख्यमंत्री का बयान अब केवल स्थानीय अखबार की हेडलाइन नहीं बनता, वह वॉल स्ट्रीट, बीजिंग, ब्रुसेल्स और वॉशिंगटन में पढ़ा और विश्लेषित होता है। इसलिए कहना यही होगा कि देश के अंदर से आए इन जैसे बयानों के ज़रिए भारत की आत्मघाती छवि गढ़ना वास्तव में आज एक बड़ी भूल है, जिसे संविधानिक संस्थाओं के माध्यम से तुरंत रोका जाना चाहिए।

केन्द्रीय जेल रायपुर में शोएब ढेबर को 3 माह के लिए सभी प्रकार के मुलाकात से किया गया प्रतिबंधित

रायपुर, निप्र। केन्द्रीय जेल रायपुर से श्री शोएब ढेबर पिता श्री अनवर ढेबर को सभी प्रकार के मुलाकात से आगामी तीन माह के लिए प्रतिबंधित किया गया है। श्री शोएब ढेबर द्वारा जेल अधिकारियों की अनुमति के बिना जबरदस्ती मुलाकात कक्ष में प्रवेश कर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई, इस आधार पर यह प्रतिबंध लगाया गया है।

जेल अधीक्षक रायपुर द्वारा जारी आदेश अनुसार श्री शोएब ढेबर ने अधिवक्ता मुलाकात के समय संबंधित अधिकारियों द्वारा मना किए जाने के बावजूद जबरन प्रवेश किया, जिससे जेल के सुरक्षा और संचालन व्यवस्था में अवरोध उत्पन्न हुआ। इस घटना की जांच उप जेल अधीक्षक श्री एम.एन. प्रधान द्वारा की गई, जिनकी रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि श्री शोएब ढेबर द्वारा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करना सत्य है। जेल नियमावली के नियम 690 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक द्वारा आदेश जारी करते हुए श्री शोएब ढेबर को तीन माह तक किसी भी बंदी से किसी भी प्रकार की मुलाकात से प्रतिबंधित कर दिया गया है। जेल अधीक्षक ने कहा कि जेल परिसर की सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे कृत्यों को गंभीरता से लिया जाएगा और भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति रोकने हेतु कड़े कदम उठाए जाएंगे।

प्रदेश में अब तक 640.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर, निप्र। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 640.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1065.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 331.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले मे 591.9 मि.मी., बलौदाबाजार में 557.5 मि.मी., गरियाबंद में 510.2 मि.मी., महासमुंद में 538.9 मि.मी. और धमतरी में 509.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 679.5 मि.मी., मुंगेली में 680.6 मि.मी., रायगढ़ में 800.9 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 868.5 मि.मी., कोरबा में 712.2 मि.मी., गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 633.5 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 597.5 मि.मी., सक्ती में 732.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 514.7 मि.मी., कबीरधाम में 475.3 मि.मी., राजनांदगांव में 555.0 मि.मी., बालोद में 601.6 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 795.1 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 456.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 478.8 मि.मी., सूरजपुर में 818.9 मि.मी., जशपुर में 725.1 मि.मी., कोरिया में 739.6 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 710.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 741.6 मि.मी., कोंडागांव में 490.0 मि.मी., नारायणपुर में 610.9 मि.मी., बीजापुर में 807.8 मि.मी., सुकमा में 501.5 मि.मी., कांकेर में 647.6 मि.मी., दंतेवाड़ा में 671.1 मि.मी. और औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

शराब सेवन कर विद्यालय आने वाले प्रधान पाठक चैतराम यादव निलंबित

रायपुर, निप्र। जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम तिरसोंठ के शासकीय प्राथमिक शाला में पदस्थ प्रधान पाठक श्री चैतराम यादव को अनाधिकृत अनुपस्थिति एवं विद्यालय में शराब सेवन की शिकायतों के आधार पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्टर जशपुर श्री रोहित व्यास के ग्राम तिरसोंठ भ्रमण के दौरान ग्रामीणों द्वारा प्रधान पाठक के विरुद्ध गंभीर शिकायतें की गई थीं, जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने निलंबन की अनुशंसा की थी। इसके बाद प्रस्तुत प्रतिवेदन में स्पष्ट हुआ कि श्री यादव ने बिना पूर्व सूचना के 16 जून से 23 जून तथा 5 जुलाई से 8 जुलाई 2025 तक अनाधिकृत रूप से अनुपस्थिति दर्ज की। इसके अतिरिक्त शैक्षिक समन्वयक रघुनाथपुर, ग्राम पंचायत तिरसोंठ के सरपंच एवं शाला विकास समिति अध्यक्ष द्वारा 8 जुलाई को तैयार किए गए पंचनामा में उल्लेख किया गया कि श्री यादव शराब सेवन कर विद्यालय आते हैं। यह कृत्य प्रथम दृष्टया सही पाया गया, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 03 का उल्लंघन है और शासकीय सेवक के आचरण के विपरीत कदाचरण की श्रेणी में आता है। उक्त तथ्यों के आधार पर श्री चौतराम यादव को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

दो से अधिक बार शराब तस्करी पर होगी संपत्ति जप्ती की कार्रवाई : विजय शर्मा

उपमुयमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री शर्मा ने विभागीय योजनाओं और नवाचारों की समीक्षा

- *सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शीघ्र शुरू हो ओपीडी- उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा*
- *'ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने कॉम्प्लेक्स निर्माण का सुझाव, मक्का व मिलेट्स किसानों को मिलेगा प्रोत्साहन'*
- *'मनरेगा, पीएम आवास, महतारी वंदन से लेकर जल जीवन मिशन तक सभी योजनाओं की गहन समीक्षा'*

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपमुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज जगदलपुर स्थित जिला कार्यालय के प्रेरणा सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा जिले में किए जा रहे नवाचारों और योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई व्यक्ति दो से अधिक बार शराब या अन्य नशे की तस्करी में संलिप्त पाया जाता है, तो उसकी संपत्ति जब्त करने की कानूनी कार्यवाही तत्काल आरंभ की जाए। उन्होंने नशा उन्मूलन के लिए पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधियों और दवा व्यापारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जगदलपुर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शीघ्र ओपीडी सेवा प्रारंभ करने को कहा, ताकि आम जनता को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हो सकें।

उपमुख्यमंत्री ने राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे स्थित ग्राम पंचायतों में कॉम्प्लेक्स निर्माण कर पंचायतों को स्वावलंबी बनाने का सुझाव दिया, जिससे पंचायतों को स्थायी राजस्व प्राप्त हो सके। उन्होंने पंचायत सचिवों को अविवादित बंटवारे के मामलों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण देने और जनजागरूकता हेतु मुनादी एवं होर्डिंग लगाने के निर्देश भी दिए। मिलेट्स उत्पादन करने वाले किसानों के उत्पाद को बाजार तक पहुँचाने की ठोस व्यवस्था बनाने तथा मक्का उत्पादक किसानों को स्प्रिंकलर एवं विभागीय योजनाओं से जोड़ने की बात भी कही। बैठक में पंचायत विभाग द्वारा किए गए नवाचारों, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र, महतारी सदन, दीनदयाल अंत्योदय योजना, बिहान, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), आत्मसमर्पित नक्सली एवं नक्सल पीड़ित हितग्राहियों को प्रथम किश्त के उपरांत आवास की प्रगति, ग्राम पंचायतों में पंजी संधारण की स्थिति, डीपीआरसी ट्रेनिंग सेंटर, स्वच्छ भारत मिशन तथा आगामी तीन माह की कार्ययोजना की भी समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने गृह विभाग के अंतर्गत अवैध शराब, सट्टा, जुआ, गोधन तस्करी, यातायात नियंत्रण, हिट एंड रन, मोटरयान अधिनियम की धाराओं पर की गई कार्रवाई, ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन, गुम इंसानों के प्रकरण और एनडीपीएस एक्ट के मामलों की स्थिति की जानकारी ली गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए नवाचारों, आयुष्मान कार्ड वितरण, मोबाइल हेल्थ वैन संचालन, जनऔषधि केंद्रों की उपलब्धता, सिकलसेल डायग्नोसिस, डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ की स्थिति तथा आगामी तीन माह के लिए निर्धारित कार्ययोजना की समीक्षा की गई। वन विभाग द्वारा किए गए लाख उत्पादन, तेंदूपत्ता बोनस वितरण, चरण पादुका वितरण और निर्माण कार्यों की स्थिति की समीक्षा के साथ-साथ कैंपा मद में दो वर्षों के आवंटन और व्यय की जानकारी भी ली गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की महतारी वंदन योजना, मातृ वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, स्वस्थ लइका अभियान और नीति आयोग के सहयोग से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी बैठक में दी गई। राजस्व विभाग द्वारा किए गए नवाचार, प्रकरणों की स्थिति, शिविरों की प्रगति और भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। कृषि विभाग द्वारा रकबा, बीज एवं उर्वरक वितरण, आत्मा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, खरीफ की तैयारी, चौम्प्स योजना से यंत्र वितरण आदि की अद्यतन जानकारी ली गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरेलू नल कनेक्शन, पूर्णता प्रमाण पत्र और हर घर जल प्रमाणीकरण की स्थिति पर चर्चा हुई।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जल संसाधन विभाग के तहत प्रमुख बांध, नहर और जलाशयों में जलभराव की स्थिति की समीक्षा की गई। विद्युत विभाग की प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, ट्रांसफार्मर की उपलब्धता, आरडीएसएस योजना के तहत क्रियान्वयन की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया। लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों और आगामी तीन माह के कार्यों की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। शिक्षा विभाग द्वारा ज्ञानगुड़ी योजना के तहत निरूशुल्क कोचिंग, आईसीटी आधारित प्रशिक्षण, बहुभाषी शिक्षा, पीएम श्री स्कूलों के निर्माण, शिक्षा गुणवत्ता कार्यक्रम, मिशन 200, जीरो ड्रॉपआउट अभियान और सम्पर्क फाउंडेशन की गतिविधियों की समीक्षा की गई। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा छात्रावासों और छात्रवृत्तियों की स्थिति प्रस्तुत की गई। खाद्य विभाग द्वारा पीडीएस प्रणाली, धान भंडारण एवं उठाव की स्थिति की जानकारी दी गई। नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन शहरी, पीएम आवास योजना शहरी, भवन अनुज्ञा एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा की गई। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना और पीएमईजीपी की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त सहकारिता, समाज कल्याण और श्रम विभाग की गतिविधियों की भी समग्र समीक्षा की गई।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए तथा यह ध्यान रखा जाए कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि विकास के कार्यों में शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल, महापौर श्री संजय पांडेय, सचिव पंचायत श्री भीम सिंह, कलेक्टर श्री हरिस एस., पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन, वनमंडलाधिकारी श्री उत्तम गुप्ता सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बने खाबो-बने रहिबो' सघन जांच एवं जागरूकता अभिया के तहत मिठाइयों और नमकीन के लिए गए दर्जनों सैपल

अखबार और प्रिंटेड पेपर का इस्तेमाल करने पर थमाया गया नोटिस, स्वच्छता को लेकर दी गई सत चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बरसात के मौसम में खाद्य जनित बीमारियों और संक्रमण की रोकथाम तथा आगामी रक्षाबंधन त्योहार के दौरान मिलावटी मिठाईयों आदि की जांच के लिए नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश में ÷बने खाबो-बने रहिबो÷ सघन जांच एवं जागरूकता अभियान 4 से 6 अगस्त तक चलाया गया। गौरेला पेंड्रा मरवाही के अभिहित अधिकारी एवं एसडीएम पेण्ड्रारोड ऋचा चंद्राकर के निर्देशन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीलम ठाकुर द्वारा जिले के तीनों ब्लॉक गौरेला, पेंड्रा एवं मरवाही में विशेष जांच एवं जागरूकता अभियान चलाकर जिलेभर के दर्जनों होटलों से मिठाइयों और नमकीन के नमूने लिए गए। अभियान के दौरान विपुल स्वीट एवं रेस्टोरेंट, देवा होटल, कृष्णा स्वीट्स, करणी जोधपुर मिष्ठान भंडार, कान्हा स्वीट्स, जैन साहब स्वीट्स, मानव मंदिर, जैन स्वीट्स, स्वीट इंडिया, प्रयागराज मिर्जापुर चटोरी सेंटर, श्रीनाथ स्वीट्स और गुप्ता होटल शामिल है।

इन होटलों से खोवा जलेबी, पेड़ा, खोवा लड्डू, खुला मिक्चर, दालमोठ, मगज लड्डू, सोनपापड़ी, रसगुल्ला, दूध बर्फी, नारियल बर्फी, चम-चम, मिल्क केक, काजू कतली, सोन केक, गुझिया, खजूर रोल, आलू मसाला, सेव और जलेबी के सैंपल एकत्र किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के राज्य प्रयोगशाला भेजा गया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिलेभर के 30 से अधिक स्ट्रीट फूड वेंडर, हैंडलर, खाद्य सेवा देने वाले दुकानदार, होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट में दबिश देकर बरसात के दौरान खाद्य पदार्थों की सुरक्षित रखरखाव, स्वच्छता, होटल एवं दुकानों में संचालकों और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता, ताजा और स्वच्छ भोजन एवं नाश्ता की जांच भी की गई।

चिरमिरी के वन क्षेत्र में अवैध ढाबे का निर्माण, असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र के छत्तीसगढ़ मोड़ घाट के समीप वन परिक्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा पिछले दो–तीन वर्षों से अवैध रूप से ढाबे का संचालन किया जा रहा है। राधे नामक व्यक्ति द्वारा संचालित यह ढाबा पहले बांस से बना था, लेकिन अब इसे ईंटों से पक्का किया जा रहा है। यह निर्माण कार्य वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जे का सीधा उल्लंघन है। इस अवैध ढाबे में शराब पीने वालों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों, खासकर सुबह और शाम की सैर करने वालों को, इन गतिविधियों के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ढाबे के आसपास बिखरी शराब की बोतलें इस बात का प्रमाण हैं कि यहाँ खुलेआम शराब परोसी जाती है। अवैध निर्माण के साथ–साथ, इस ढाबे में पानी और बिजली की भी चोरी हो रही है। नगर निगम की पाइपलाइन को छेद कर अवैध पानी का कनेक्शन लिया गया है, और एस.ई.सी.एल. की बिजली भी गैरकानूनी तरीके से उपयोग में लाई जा रही है। स्थानीय प्रशासन और वन विभाग की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल, यह देखना बाकी है कि वन परिक्षेत्र अधिकारी इस मामले को संज्ञान में लेकर इस अवैध ढाबे पर कब कार्रवाई करते हैं।

ऑपरेशन मुस्कान : बस्तर में गुमशुदा बच्चों की सकुशल वापसी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राखी पर्व से ठीक पहले बस्तर जिले में ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत गुमशुदा बच्चों की सकुशल वापसी ने कई परिवारों में खुशियों की बहार ला दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस मानवीय अभियान ने गुमशुदा बच्चों को उनके परिजनों से मिलाकर त्योहार की खुशियों को दोगुना कर दिया है। बस्तर पुलिस द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते एक माह में जिले से कुल 11 बच्चे (2 बालक और 9 बालिकाएं) गुमशुदा हुए थे। ऑपरेशन मुस्कान की सतत निगरानी और सक्रिय प्रयासों के फलस्वरूप इनमें से 2 बालक एवं 7 बालिकाएं सकुशल दस्तयाबी कर परिजनों को सौंप दी गई है। इसके अतिरिक्त, पहले से लापता 5 अन्य बालिकाओं को भी इस अभियान के दौरान खोज निकाला गया है, जो अभियान की सफलता और गहराई को दर्शाता है। इन बच्चों को छत्तीसगढ़ के कोरबा, तेलंगाना के हैदराबाद, आंध्रप्रदेश के कुडूर, ओडिशा के जयपुर और तमिलनाडु के तिरुपुर जैसे विभिन्न राज्यों और शहरों से बरामद किया गया है। यह उपलब्धि पुलिस विभाग के सशक्त अंतर्राज्यीय समन्वय और सतत प्रयासों का प्रतिफल है।

राखी पर्व से पूर्व लौटी खुशियाँ, परिजनों के चेहरों पर मुस्कान

अपने बच्चों की वापसी से भावुक परिजनों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, गृह मंत्री श्री विजय शर्मा तथा पुलिस प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया है। बच्चों के लौटने से ना केवल उनके परिवारों में उत्सव जैसा माहौल बना है, बल्कि पूरे क्षेत्र में सकारात्मक संदेश भी गया है। इस पहल ने यह सिद्ध कर दिया है कि शासन की संवेदनशीलता और पुलिस की सतर्कता से असंभव भी संभव हो सकता है।

ऑपरेशन मुस्कान, छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा संचालित एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य लापता एवं गुमशुदा बच्चों की खोज कर उन्हें उनके परिवार से पुनः मिलाना है। यह अभियान बच्चों के अधिकारों की रक्षा तथा एक सुरक्षित समाज की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। इस बार की राखी, इन परिवारों के लिए सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि एक भावनात्मक पुनर्मिलन की यादगार बन गई है, जब बिछड़े बच्चे अपनों के बीच लौटे और स्नेह की डोर फिर से बंध गई।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बीजापुर के भैरमगढ़ स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

भैरमगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को 100 बिस्तर अस्पताल बनाने की घोषणा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनेगा मॉडल हेल्थ सेंटर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल तीन दिवसीय बस्तर संभाग के दौरे पर हैं। इस दौरान श्री जायसवाल ने बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर जांगला का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़ को 100 बिस्तर अस्पताल बनाने की घोषणा की। इस अवसर पर श्री जायसवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़ में ष्निक्षय मित्रष् योजना के तहत टीबी मरीजों को पोषण युक्त फूड बास्केट वितरित कर समय पर नियमित रूप से दवाई सेवन करने की समझाइस दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार सतत् प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीजापुर के जांगला में प्रारंभ की गई आयुष्मान भारत योजना का लाभ अब पूरे देश में और सुदूर क्षेत्रों तक पहुँच रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने जांगला में ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत वृक्षारोपण किया और जांगला के आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड का वितरण भी किया । उन्होंने जांगला ष्आयुष्मान आरोग्य मंदिरष् को एक मॉडल हेल्थ सेंटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए तथा उसके भवन की मरम्मत के लिए आवश्यक स्वीकृति प्रदान की।

उत्तर बस्तर के पीडीएस गोदामों का निगम अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

राशन कार्डधारियों को गुणवाा युक्त राशन उपलध कराना सरकार की पहली प्राथमिकताः संजय श्रीवास्तव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव ने उत्तर बस्तर के जिला कांकेर एवं कोंडागांव स्थित खाद्यान्न गोदाम चारामा एवं केशकाल का औचक निरीक्षण किया। अध्यक्ष श्री श्रीवास्तव ने निगम की गठित राज्य स्तरीय दल के साथ चारामा, केशकाल स्थित वेयर हाउस गोदाम पहुंचकर पीडीएस के वितरण के लिए निगम द्वारा उपार्जित चावल एवं संग्रहित नमक, गुड़, शक्कर का अवलोकन किया।

अध्यक्ष श्री श्रीवास्तव ने इस दौरान नागरिक आपूर्ति निगम कांकेर एवं कोंडागांव के जिला प्रबंधक, गोदाम प्रभारी, वेयर हाउस प्रबंधक एवं स्टाफ की उपस्थिति में स्टेक से चावल का सेम्पल निकलवा कर वरिष्ठ तकनीकी कर्मचारी से गुणवत्ता का परीक्षण कराया, जो मानक स्तर का पाया गया। गोदाम में उपलब्ध अन्य राशन साम्रागी के बोरो का भी वजन की जांच कराई गई।

निरीक्षण के दौरान श्री श्रीवास्तव ने गोदाम एवं कार्यालय में साफ-सफाई का अभाव, गोदाम के प्लेटफार्म में टूट-फूट, छत में कुछ स्थानों में छेद होने से पानी टपकने की स्थिति को देखकर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने वेयर हॉउस प्रभारी को कार्यालय एवं गोदाम की साफ-सफाई, प्लेटफार्म एवं छत मरम्मत एवं गोदाम के रंग-रोगन कराने के निर्देश दिए। गोदाम में कार्यालय हेतु स्थानाभाव को देखते हुए अतिरिक्त कक्ष निर्माण कराने का प्रस्ताव तैयार कर वेयर हॉउस मुख्यालय भेजने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अंतागढ़ में निर्माणाधीन गोदाम में हो रहे विलंब की जानकारी प्राप्त होने पर वेयर हाउस के अध्यक्ष से निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने हेतु स्वयं अनुरोध करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने इस मौके पर कहा कि प्रदेश की आम जनता को गुणवत्ता युक्त चावल, शक्कर, नमक, गुड़, चना समय पर उपलब्ध कराना सरकार की प्रथम प्राथमिकता है। उपभोक्ताओं को समय पर गुणवत्ता युक्त राशन उपलब्ध कराने राशन भंडारण व्यवस्था के सतत निगरानी के लिए गठित टीम के साथ औचक निरीक्षण की कार्ययोजना बनाई गई है। उन्होने प्रदेश स्थित निगम के सभी जिलो के अधिकारियों एव कर्मचारियों को कार्य के प्रति सतर्कता रखते हुए निर्धारित गुणवत्ता का राशन भंडारित किए जाने के निर्देश दिए।

रैगिंग करने वाले छात्र 2 निष्कासित, नशे में जूनियर के काटे थे बाल

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के शासकीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय मेडिकल कॉलेज में जूनियर स्टूडेंट के सिर पर ट्रिमर चलाने वाला सीनियर स्टूडेंट आयुष्मान पांडे जबलपुर का रहने वाला है। पिता आर्मी के रिटायर्ड अधिकारी है। जबकि शराब मंगाने वाला स्टूडेंट अमोलिक वर्मा महू का रहने वाला है। पिता का ऑटो मोबाइल का कारोबार है। जांच में यह बात भी सामने आई कि शराब नहीं लाने पर एक जूनियर स्टूडेंट को मुर्गा भी बनाया गया। अब पूरे घटनाक्रम में रैगिंग करने वाले दोनों सीनियर स्टूडेंट के पेरेंट्स को कॉलेज में बुलाया है।

यह था मामला : बता दें कि बुधवार रात रतलाम के शासकीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की घटना सामने आई थी। एमबीबीएस सेकेंड ईयर के दो स्टूडेंट नशे की हालत में फर्स्ट ईयर के हॉस्टल में घुसे। एक स्टूडेंट के सिर पर ट्रिमर चलाकर बाल काट दिए। दूसरे स्टूडेंट से शराब मंगवाई।

नशे की हालात में घुसे : पीड़ित स्टूडेंट ने शिकायत में बताया कि 2023 बैच के सीनियर आयुष्मान पांडे और अमोलिक वर्मा बुधवार रात नशे की हालत में उसके कमरे में घुस आए। उन्होंने वहां शराब पी, फिर गाली-गलौज और धमकाना शुरू कर दिया। ट्रिमर से बाल काट दिए। हॉस्टल में मौजूद एक अन्य जूनियर से शराब लाने को कहा।

हॉस्टल के अन्य छात्रों को रैगिंग की जानकारी मिली तो उन्होंने इसका विरोध किया। इस पर दोनों सीनियर चीखने-चिल्लाने लगे। फर्स्ट ईयर के छात्रों ने डीन और वार्डन को फोन करने की बात कही। इस पर दोनों सीनियर हॉस्टल की पीछे की दीवार से कूदकर भाग निकले। वे अपनी बाइक वहीं छोड़ गए।

दोनों आरोपियों को निष्कासित किया : रैगिंग की घटना के बाद कॉलेज की एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक हुई। बैठक में आयुष्मान को एक साल के लिए सभी एकेडमिक गतिविधियों और यूनिवर्सिटी एग्जाम से बाहर कर दिया है। उसे हॉस्टल समेत कॉलेज कैंपस से एक साल तक निष्कासित किया है। अमोलिक वर्मा को 6 माह के लिए बाहर किया है। वह भी किसी भी एकेडमिक गतिविधि या एग्जाम में शामिल नहीं हो सकेगा।

डीन डॉ. अनिता मूथा ने बताया: पेरेंट्स को बुलाया गया है, अंडरटेकिंग ली जाएगी। आगे इस प्रकार की घटनाएं न हों, इसके लिए सभी वार्डन्स को सख्त हिदायत दी जाएगी।

थाना प्रभारी पहुंची : थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रभारी गायत्री सोनी भी मेडिकल कॉलेज पहुंची। डीन डॉ. अनिता मूथा से मुलाकात की। घटनाक्रम की जानकारी ली। चूंकि कॉलेज से जुड़ा मामला होने के कारण पीड़ित छात्रों की तरफ से अलग से कोई शिकायत पुलिस को नहीं की गई।

शिकायत मिलने पर होगी एफआईआर : थाना प्रभारी के अनुसार अगर पीड़ित छात्र के माता-पिता या कॉलेज की तरफ से कोई शिकायत आती है तो एफआईआर दर्ज की जाएगी। स्थानीय लोगों ने एक जनपद सदस्य पर जंगली सुअर का शिकार करने और उसके मांस को खुलेआम लोगों में बांटने का आरोप लगाया है। वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि कैसे कथित जनपद सदस्य ने जंगली सुअर लोगों के बीच बांटा।

सागर में उपार्जन केंद्र से मूंग की 30 बोरियां चोरी: वेयर हाउस की शटर का ताला तोड़कर घुसे बदमाश, ड्यूटी पर नहीं आया था चौकीदार

सागर, एजेंसी। सागर जिले के छिरारी स्थित उपार्जन केंद्र के वेयरहाउस में चोरों ने सेंध लगाकर मूंग की लगभग 30 बोरियां चोरी कर लीं। घटना का खुलासा उस समय हुआ, जब उपार्जन केंद्र संचालक सुबह मौके पर पहुंचे और देखा कि शटर का ताला टूटा हुआ है।

केंद्र संचालक अजय कुमार नायक ने बताया कि वह कृषि साख सहकारी समिति छिरारी के माध्यम से उपार्जन केंद्र का संचालन करते हैं। शासन के निर्देशानुसार खरीदी गई मूंग की बोरियां वेयरहाउस में सुरक्षित रखी जाती हैं। 5 अगस्त की शाम करीब 6 बजे कर्मचारियों द्वारा वेयरहाउस को सील कर दिया गया था। लेकिन 6 अगस्त की सुबह जब वेयरहाउस पहुंचे, तो पाया कि शटर का ताला टूटा हुआ है और अंदर रखी 6993 बोरियों में से करीब 30 बोरियां गायब हैं।

चौकीदार ड्यूटी पर नहीं आया : संचालक ने बताया कि वारदात के समय समिति का चौकीदार कमलेश रैकवार ड्यूटी पर मौजूद नहीं था। जब मोबाइल पर संपर्क किया गया तो उसने जवाब दिया कि वह सो गया था, इसलिए उपार्जन केंद्र नहीं पहुंच सका। घटना की जानकारी मिलते ही रहली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

ऊर्जा उत्पादन में योगदान देकर रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण किया

खंडवा, एजेंसी। ओंकारेश्वर पॉवर स्टेशन में एनएचडीसी का 26 वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन प्रशासनिक भवन में किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजीव जैन, प्रबंध निदेशक का डीके द्विवेदी, परियोजना प्रमुख एवं अंजू जैन का अंजना द्विवेदी, लेडीज क्लब अध्यक्ष ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। प्रबंध निदेशक ने विद्युत गृह एवं बांध का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक जैन ने कहा कि हमने परियोजनाओं के माध्यम से न केवल ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, बल्कि रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। यह सभी संभव हो पाया है हमारे कार्मिकों के अथक प्रयासों, दृढ़तापूर्ण संकल्प, नवीनतम तकनीकों के उपयोग एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के कारण। सांस्कृतिक संध्या में परियोजना प्रमुख डीके द्विवेदी ने कहा कि हमारे कार्मिकों के अथक प्रयासों और दृढ़तापूर्ण संकल्प से आज निगम ने गौरवपूर्ण स्थान अर्जित किया है। समारोह में आडियों एक्स ग्रुप द्वारा मधुर संगीत, नृत्य एवं हास्य प्रस्तुति ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में एनएचडीसी लिमिटेड, निगम मुख्यालय, भोपाल की लेडीज क्लब अध्यक्ष अंजू जैन, सिंह, महाप्रबंधक (ओएण्डएम) मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर 297 साल बाद खास संयोगःइस बार भद्रा से मुक्त रहेगा पर्व, देशभर में सबसे पहले महाकाल को अर्पित होगी राखी

उज्जैन, एजेंसी । इस साल 9 अगस्त को देशभर में रक्षाबंधन खास संयोग के साथ मनेगा। भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक का ये पर्व इस बार श्रवण नक्षत्र, सौभाग्य योग, करण, मकर राशि में चंद्रमा और पूर्णिमा तिथि में मनाया जाएगा। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, ऐसा योग 297 साल बाद बना है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला ने कहा- ग्रहों की वर्तमान स्थिति 1728 में बने दुर्लभ संयोग को दोहरा रही है। रक्षाबंधन पर 8 ग्रह उन्हीं राशियों में रहेंगे, जिनमें 1728 में थे। इनमें सूर्य कर्क, चंद्र मकर, मंगल कन्या, बुध कर्क, गुरु और शुक्र मिथुन, राहु कुंभ और केतु सिंह राशि में रहेंगे। ऐसे अद्भुत योग शताब्दियों में एक बार ही बनते हैं। जिससे इस बार का रक्षाबंधन और भी पुण्य फलदायी माना जा रहा है। वहीं, देशभर में सबसे पहले शनिवार तड़के 3 बजे बाबा महाकाल को राखी अर्पित की जाएगी। यह खास राखी हर वर्ष पुजारी परिवार की महिलाएं ही तैयार करती हैं। वे बाबा महाकाल को अपना भाई मानकर ये राखी बनाती हैं।

सवा लाख लड्डुओं का भोग लगेगा : महाकाल को अर्पित की जाने वाली राखी इस बार मंदिर समिति के अमर पुजारी के परिवार की महिलाएं बना रही हैं। वे तीन दिन से इसमें जुटी हैं। मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग कर राखी पर भगवान गणेश को विराजित किया गया है। मान्यता है कि हिंदू रीति-रिवाज से मनाए जाने वाले सभी पर्वों की शुरुआत महाकाल मंदिर से ही होती है। भगवान महाकाल को राखी बांधने के बाद सवा लाख लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा। ये लड्डू शुद्ध देसी घी, बेसन, शक्कर और ड्रायफ्रूट्स से तैयार किए जा रहे हैं।

जबलपुर में सेना के रिटायर्ड जवान ने 45 लाख ऐंठे: एक दर्जन युवाओं को नौकरी के नाम पर ठगा, मिलिट्री इंटेलिजेंस ने पुलिस को सौंपा

जबलपुर, एजेंसी। मिलिट्री इंटेलिजेंस ने एक ऐसे व्यक्ति को पकड़ा है, जिसने सेना में नौकरी लगवाने के नाम पर एक दर्जन से अधिक लोगों से लाखों रुपए ऐंठ लिए। सेना ने आरोपी राजेश कुमार राजभर को गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात रांझी पुलिस के हवाले किया है। आरोपी मिलिट्री अस्पताल से सेवानिवृत्त हुआ है। उसके बाद से ही वह कई युवाओं को सेना में नौकरी लगवाने का झांसा देते हुए 45 लाख रुपए ऐंठ चुका है। बता दे कि मिलिट्री इंटेलिजेंस ने यह कार्रवाई शिकायत के आधार पर की है।

देर रात आरोपी के घर पर छापा मारा : दरअसल, कुछ दिनों से जबलपुर में रहने वाले लोग लगातार मिलिट्री ऑफिस में दस्तावेजों के साथ नौकरी के लिए चक्कर काट रहे थे। अधिकारियों ने कागजातों की जांच की तो पता चला कि यह फर्जी है। इस फर्जीवाड़े में सेना से रिटायर्ड राजेश कुमार का नाम सामने आया। मिलिट्री ने देर रात मढ़ई स्थित राजेश के घर पर छापा मारा और उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस आरोपी का बैंक अकाउंट एवं कॉल डिटेल्स की जांच कर रही है।

9 साल पहले हुआ रिटायर हुआ : शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला है कि राजेश कुमार ने कई युवक युक्तियां के साथ धोखाधड़ी की है। कुछ लोगों से उसने नगद राशि ली थी। तो कुछ लोगों ने उसे ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करवाए थे। आरोपी 2016 में सेना से सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पहले से 4 वर्ष तक मिलिट्री अस्पताल में पदस्थ था। जिसके कारण उसकी वहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पहचान थी। सेवानिवृत्ति के बाद उसने कुछ युवकों को सेवगाड़ से पास कर देगा। उसके बाद अधिकारियो से बोलकर उनकी नियुक्ति करवा देगा। राजेश कुछ बेरोजगार युवक-युवती को अपने साथ लेकर मिलिट्री अस्पताल भी गया। जहां अपनी जान पहचान बताकर नौकरी लगवाने बोलकर उनसे ठगी किया।

तलाशी में फर्जी जॉनिंग लेटर मिले : आरोपी ने कुछ युवाओं से रुपए बैठने के बाद उन्हें नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिए थे। खुफिया शाखा को आरोपित के पास से भी कुछ फर्जी नियुक्ति पत्र एवं फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं, इनमें सील लगी पाई गई है। मिलिट्री इंटेलिजेंस ने आरोपी से जो दस्तावेज जब्त किया उनमें हेड क्वार्टर एरिया जबलपुर चिकित्सा शाखा, कमांडेंट मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर ऐएसओ तृतीय, 506 आर्मी बेस वर्कशॉप कर्नल हेडक्वार्टर एमपी एरिया, जैक आरआरसी जबलपुर, आईक्यूएच के नाम से जॉनिंग लेटर दिए गए हैं।

एक दर्जन से अधिक को ठगा : पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी ने अरविंद कोल से चार लाख 80 हजार, भगवान दास राय से 1 लाख 70000, प्रीति घोष कुशवाहा से 10 लाख ,संजय सेंगर से चार लाख, नीलम सिंह राजपूत से साढ़े 3 लाख, संतोष गुप्ता से 3 लाख 75000, पूजा गुप्ता से 6 लाख 35000, संतोष कुमार से 2 लाख 84000 एवं आशीष कोल से 2 लाख 30000 रुपए लिए हैं।

बुरहानपुर में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा लगाने का फैसला:नगर-निगम परिषद के तीन साल पूरे,हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा यात्रा की तैयारियां जारी

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर नगर निगम परिषद के तीन साल पूरे होने पर बसाड स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पर मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महापौर माधुरी अतुल पटेल ने की। महापौर ने बताया कि 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शहर में वाजपेयी की प्रतिमा लगाने के सुझाव पर महापौर ने सहमति दी। फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश के लिए मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था उठे सवाल इस वारदात के बाद उपार्जन केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि उपार्जन केंद्रों पर रात्रिकालीन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो

जल्द ही सीमेंट कांक्रीट रोड बनाई जाएगी : बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। गाड़ियों पर तिरंगा लगाकर रैली निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के तहत बिटिया रोड का टेंडर पूरा हो चुका है। जल्द ही सीमेंट कांक्रीट रोड का निर्माण शुरू होगा। स्वच्छता सर्वेक्षण में टॉप 10 में जगह बनाने का लक्ष्य रेणुका झील के उन्नयन का कार्य भी पूरा हो रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में बुरहानपुर नगर निगम ने 3 स्टार रैंकिंग और वाटर प्लस में भी स्थान प्राप्त किया है। आने वाले सालों में स्वच्छता सर्वेक्षण में टॉप 10 में जगह बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

हर घर के आगे लगे हैं क्यूआर कोडः नगर निगम द्वारा हर वार्ड में डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए वाहन भेजे जा रहे हैं। हर घर के आगे क्यूआर कोड लगाए गए हैं। इससे कचरा गाड़ी वार्ड में नियमित रूप से आ रही है या नहीं, यह क्यूआर कोड स्कैन करके पता किया जा सकता है।

ये अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे : बैठक में पूर्व महापौर अतुल पटेल, एमआईसी चेयरमैन संभाजी सगरे, धनराज महाजन, महेंद्र इंगले, नितेश रोशन दलाल, अनिल विस्पुते, एजाज अशरफी, निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी लोगों को आरोप है कि जनपद सदस्य मध्यप्रदेश के राज्य वन मंत्री दिलीप अहिरवार के खास हैं। वीडियो में जनपद सदस्य जंगली सुअर के मांस में अपना हिस्सा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में लोगों के बीच हिस्से बांटने की बातचीत भी सुनाई दे रही है। गौरिहार थाना प्रभारी संदीप दीक्षित ने बताया कि वीडियो सुबह मिला है।ध में एसडीओ नरेश पाटीदार और सीसीएफ नरेश सिंह यादव से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार से भी बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। एनएच-39 पर बसारी ब्रिज, गंज ब्रिज, देवगांव तिराहा और खैरी तिराहा जैसे क्षेत्रों में रोजाना सैकड़ों मवेशी सड़क पर बैठे रहते हैं।

सीहोर में बेकाबू होकर पलटी स्कूल वेन:तीन बच्चे घायल, मुंगावली गांव के पास हादसा ,लोग बोले- यह स्कूल प्रबंधन की लापरवाही

सीहोर, एजेंसी । सीहोर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक स्कूल वैन बेकाबू होकर लेकर पलट गई। हादसा ग्राम मुंगावली के पास सुबह करीब 9=30 बजे हुआ। हादसे में तीन बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मुंगावली के पास बेकाबू होकर पलटी : प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, शुक्रवार सुबह एक प्राइवेट स्कूल की बस बच्चों को लेकर जा रही थी। रास्ता खराब होने के कारण बस बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतर गई। इसके बाद स्कूल प्रबंधन ने बच्चों को दूसरी बस में शिफ्ट किया, लेकिन दूसरी बस भी मुंगावली के पास ही असंतुलित होकर पलट गई।

बच्चों को अपने वाहनों से ले गए पेरेंट्स : गांव के संजय परमार ने बताया कि वह बाइक से दोराहा जोड़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान काफी तेज गति से आ रही स्कूल बस अचानक रोड से उतरकर सड़क के किनारे गड्ढों में पलट गई।हादसे की जानकारी मिलने के बाद पेरेंट्स तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने बच्चों को बाइक व अन्य निजी वाहनों से ले गए। इस दौरान घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों और स्कूल प्रबंधन के बीच जमकर बहस भी हुई। हादसे में तीन बच्चों को मामूली चोटें आई हैं।

स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप : ग्रामीणों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि खस्ताहाल और कंडम बसें बच्चों की जान से कैसे खेल सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से स्कूल बसों की नियमित जांच करने और मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले वाहनों को जब्त करने की मांग की है। हादसे की सूचना मिलते ही मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने स्कूल प्रशासन से भी पूछताछ की है और पूरे घटनाक्रम की जानकारी एकत्र की जा रही है।फिलहाल घायल बच्चों का प्राथमिक उपचार कराया गया है और सभी सुरक्षित हैं।

लोग बोले- ड्राइवरों को वाहन धीमी गति से चलाने की हिदायत दें : घटनास्थल के पास ग्राम दुपाडीया दांगी के समाजसेवी नरेश मेवाड़ा ने बताया कि फ्यूचर एकेडमी स्कूल की बस का हादसा ड्राइवर की गलती से हुआ है। वहीं क्षेत्र के ग्रामीण गुलाब सिंह ने कहा कि स्कूल प्रबंधन बस चालकों की तेज रफ्तार पर ध्यान नहीं देता। उन्होंने मांग की कि ड्राइवरों को वाहन धीमी गति से चलाने की हिदायत दी जाए।

डीपीसी बोले- स्कूल प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा : वहीं शिक्षा विभाग के डीपीसी आरआर ऊईके ने बताया कि इस घटना के संबंध में स्कूल प्रबंधन और बीईओ से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा एडिशनल एसपी सुनीता रावत ने बताया सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम को मौके पर भेज दिया गया था। आरंभिक जानकारी सामने आ रही है कि तीन बच्चों को मामूली चोट आई है।

10 अगस्त को भूमि पूजन करने रायसेन पहुंचेंगे रक्षा मंत्री:148 एकड़ में बनेगी मेट्रो-वंदे भारत की कोच फैक्ट्री,1800 करोड़ का होगा निवेश

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में गौहरगंज के उमरिया गांव में रक्षा मंत्रालय की कंपनी भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) 148 एकड़ में रेल कोच फैक्ट्री स्थापित करेगी। इस परियोजना का भूमिपूजन 10 अगस्त को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। कार्यक्रम ओबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और अन्य मंत्री-विधायक भी शामिल होंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे। इस परियोजना में 1 हजार 800 करोड़ रुपए का निवेश होगा। फैक्ट्री का पहला चरण 2026 के मध्य तक पूरा होने के बाद उत्पादन शुरू होगा। यहां मेट्रो और वंदे भारत ट्रेनों के कोच बनाए जाएंगे। इस फैक्ट्री से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा।

फैक्ट्री के लिए 148 एकड़ जमीन निशुल्क उपलब्ध कराई: मध्य प्रदेश सरकार ने बीईएमएल को फैक्ट्री के लिए 148 एकड़ जमीन निशुल्क उपलब्ध कराई है। फरवरी में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बीईएमएल के अधिकारियों ने इस प्रोजेक्ट को मध्य प्रदेश में स्थापित करने पर सहमति दी थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने भी इसे मंजूरी दे दी।

अधिकारी जुलाई से ही भोपाल में फैक्ट्री की तैयारियों में जुटे : भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने बताया कि ये परियोजना प्रदेश और रायसेन जिले के लिए बड़ी सौगात है। बीईएमएल के अधिकारी जुलाई से ही भोपाल में डेरा जमाकर फैक्ट्री की तैयारियों में जुटे हैं। प्रशासन ने रक्षा मंत्री के आगमन की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

छतरपुर कलेक्टर के निर्देश के बावजूद गौशालाएं खाली: हाइवे पर घूम रहे मवेशी, ग्रामीण बोले- कर्मचारी तैनात हैं,

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में सड़क हादसों को रोकने के लिए जिला मजिस्ट्रेट पार्थ जैसवाल ने 6 अगस्त को आदेश जारी किया था। इसमें एक सप्ताह के अंदर सभी आवारा पशुओं को गौशालाओं में शिफ्ट करने का निर्देश दिया गया था। आदेश में पालन न होने पर जिम्मेदार अधिकारियों और पशुपालकों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी। लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। राजनगर जनपद की झमटुली, सलैया, कदौहा, डुगरिया और कुटिया जैसी पंचायतों की गौशालाओं की स्थिति दयनीय है। कई गोशालाएं बंद पड़ी हैं। जो चालू हैं, उनमें भूसा-पानी की भारी कमी है। परिणामस्वरूप, अधिकांश गोवंश सड़कों पर ही घूमते नजर आते हैं। इससे वाहन दुर्घटना और फसल बर्बादी का खतरा बना रहता है।

कर्मचारी तैनात हैं, लेकिन आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं : ग्रामीणों का आरोप है कि गोशालाएं सिर्फ कागजों में ही संचालित हो रही हैं। स्व-सहायता समूहों को समय पर बजट नहीं मिल रहा है। इस कारण पशुओं की उचित देखभाल नहीं हो पा रही है। कुछ पंचायतों में कर्मचारी तैनात हैं, लेकिन आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं हैं।

अर्जुन ने सही चाल चली, निहाल लड़खड़ाए

चेन्नई, एजेंसी। भारत के अर्जुन एरिगैसी ने गुरुवार को चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया, जबकि उनके हमवतन निहाल सरीन जर्मनी के विन्सेंट कीमर से हार गए।

इस प्रकार विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगैसी ने एक करोड़ रुपये के राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में पूरे अंक अर्जित किए, जो मास्टर्स और चैलेंजर्स खंडों में क्लासिकल प्रारूप में नौ राउंड में खेला जाएगा।चेन्नई के दो ग्रैंडमास्टर्स प्रणव वी और कार्तिकेयन मुरली के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ, जबकि पूर्व विश्व नंबर 6 अनीश गिरी और अमेरिकी जीएम रे रॉबसन के बीच शीर्ष बोर्ड मुकाबला भी बराबरी पर समाप्त हुआ। एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को भी डच खिलाड़ी जॉर्डन वान फोरेस्ट ने ड्रॉ पर रोका। चैलेंजर्स वर्ग में, शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय ग्रैंडमास्टरों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दिप्तायन घोष, लियोन ल्यूक मेंडोंका और एम प्रणेश ने शुरुआती दौर में जीत दर्ज की और कड़े मुकाबले में शुरुआती बढ़त हासिल की।

जीएम आर वैशाली, अभिमन्यु पुराणिक और इनियान पा को ड्रॉ पर रोका गया, जबकि डी हरिका, आर्यन चोपड़ा और हर्षवर्धन जीबी को शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। 10 दिवसीय, नौ राउंड वाले इस आयोजन में दो वर्गों, मास्टर्स और चैलेंजर्स, में 20 शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे, तथा 2026 कैंडिडेट्स की योग्यता के लिए महत्वपूर्ण स्नढ्ढष्ठश्व सर्किट अंक प्रदान किए जाएंगे।

मास्टर्स- अर्जुन एरिगैसी (1) ने अवॉन्डर लियांग (0) को हराया, विंसेंट कीमर (1) ने निहाल सरीन (0) को हराया, अनीश गिरी (ड्ड) ने रे रॉबसन (ड्ड) को हराया, विदित गुजराती (ड्ड) ने जॉर्डन वैन फॉरेस्ट (ड्ड) को हराया, प्रणव वी (ड्ड) ने कार्तिकेयन मुरली (ड्ड) को हराया। चैलेंजर्स- दिप्तायन घोष (1) ने डी. हरिका (0) को हराया, लियोन ल्यूक मेंडोंका (1) ने हर्षवर्द्धन जीबी (0) को हराया, एम प्राणेश (1) ने आर्यन चोपड़ा (0) को हराया, अधिबन भास्करन (ड्ड) ने अभिमन्यु पुराणिक (ड्ड) को हराया, आर. वैशाली (ड्ड) ने इनियान पा (ड्ड) को हराया।

ग्रेटर नोएडा में चौथे सब-जूनियर मुक्केबाजी राष्ट्रीय चैंपियनशिप की शुरुआत जोरदार मुकाबलों के साथ हुई

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जूनियर लड़के और लड़कियों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप का पहला दिन गुरुवार को ग्रेटर नोएडा के गलगोटिया विश्वविद्यालय में एक एक्शन से भरपूर सत्र के साथ शुरू हुआ। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 80 से अधिक मुकाबले हुए, जिनमें भारत की सबसे युवा मुक्केबाज प्रतिभाएं ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ रिंग में उतरीं। सब-जूनियर नेशनल्स भारत के जमीनी स्तर के मुक्केबाजी पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में खड़े हैं, जो युवा एथलीटों को अपनी क्षमता का परीक्षण करने और रैंकों में आगे बढ़ने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। बीएफआई जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को निखारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी आयु वर्गों में अवसर, प्रदर्शन और संरचित प्रतियोगिता उपलब्ध हो। इस तरह की पहलों के साथ, बीएफआई भविष्य के चैंपियनों की एक मजबूत पाइपलाइन तैयार कर रहा है। हरियाणा (लड़कियां) और सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (लड़के) गत चैंपियन के रूप में प्रवेश कर रहे हैं,।

मनीषा कल्याण ने कहा, अस्मिता लीग चमकने का एक दुर्लभ मंच है, खेलो इंडिया नॉर्थ ईस्ट गेस एक उत्कृष्ट पहल होगी

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत की स्टार महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण शुक्रवार को नेहरू स्टेडियम में लड़कियों की अस्मिता अंडर-13 लीग में सभी की निगाहों का केंद्र रहीं। महिलाओं की यूईएफए चैंपियंस लीग में खेलने वाली एकमात्र भारतीय फुटबॉलर मनीषा ने कहा कि अस्मिता युवा लड़कियों के लिए अपने फुटबॉल सपनों को साकार करने का एक अनूठा मंच है। 23 वर्षीय मनीषा ने असमिता के गुवाहाटी चरण में भाग ले रही आठ टीमों से कहा, मैं अभी भी फीफा विश्व कप और ओलंपिक में खेलने का सपना देख रही हूं और अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद हमारा विश्वास और मजबूत हो गया है। अब आपके पास असमिता जैसा मंच है और आप जितने अधिक गुणवत्ता वाले मैच खेलेंगे, आप उतने ही बेहतर होते जाएंगे। असमिता का उद्देश्य भारत भर में जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की खोज करना है।

मनीषा असम की दो उभरती हुई प्रतिभाओं - रेखा कटकी और दोसोमी रोवतिया के साथ मौजूद थीं। रेखा और दोसोमी, दोनों ही SMI-ӻ लीग की उपज हैं और असम फुटबॉल में अपनी उपस्थिति का बड़ा असर दिखा रही हैं। दोसोमी जहाँ राष्ट्रीय शिविर में पहुँच चुकी हैं, वहीं रेखा इंडियन विमेंस लीग डिवीज़न 2 में नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड फुटबॉल क्लब की कप्तान रह चुकी हैं।

पंजाब की मनीषा ने कहा, फुटबॉल पूर्वोत्तर के लोगों के जीन में है। मैं बाला देवी को खेलते हुए देखकर बड़ी हुई हूँ और अब सीनियर राष्ट्रीय टीम में मेरे 11 साथी इसी क्षेत्र से हैं। इससे पता चलता है कि यहाँ कितनी प्रतिभा मौजूद है। हो सकता है, पाँच साल बाद, इनमें से कोई एक बच्चा असम और फिर भारत के लिए खेले। बस कड़ी मेहनत करो और सिर्फ़ फुटबॉल के बारे में सोचो। यहाँ का माहौल निश्चित रूप से विकसित हो रहा है और सरकार के सहयोग से हम और बेहतर कर सकते हैं।

अस्मिता की खेल गतिविधियाँ हर साल बढ़ रही हैं। अकेले पूर्वोत्तर में, 2022-23 सीज़न से फुटबॉल लीगों में पाँच गुना वृद्धि हुई है। 2024-25 में, खेल मंत्रालय की %महिलाओं के लिए खेल योजना के तहत 25 अलग-अलग फुटबॉल लीग खेली गई, जिनमें 1615 लड़कियों ने हिस्सा लिया।

पूर्वोत्तर भारत में खेल केंद्रीय खेल मंत्रालय का मुख्य ध्यान केंद्रित क्षेत्र है। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि खेलो इंडिया कैलेंडर में पूर्वोत्तर-विशिष्ट खेलों को शामिल किया जाएगा।

साइप्रस और ग्रीस में पेशेवर रूप से खेल चुकी मनीषा ने कहा, यह एक शानदार उपलब्धि होगी। सिर्फ़ फुटबॉल ही नहीं, यह क्षेत्र सभी खेलों में योगदान दे रहा है, और उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा अवसर देना ही सही रास्ता है। वह नवंबर 2021 में किसी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट में ब्राज़ील के ख़िलाफ़ गोल करने वाली एकमात्र भारतीय महिला हैं।

टी20 विश्व कप 2026 नजदीक, कप्तान मार्श ने की पुष्टि, ऑस्ट्रेलिया की टी20 अंतरराष्ट्रीय सलामी जोड़ी पक्की

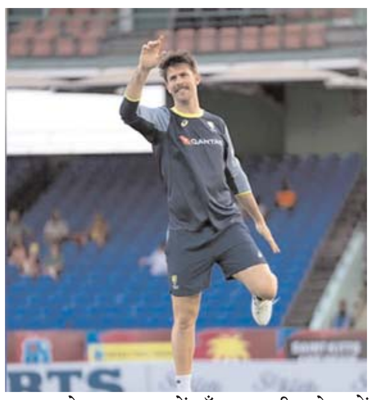

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया टी 20 आई कप्तान मिशेल मार्श ने पुष्टि की है कि उन्होंने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी 20 आई विश्व कप से पहले सलामी जोड़ी को तय कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया इस बड़े आयोजन की तैयारी रविवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज़ से शुरू करेगा। मार्श ने पुष्टि की है कि वह ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी क्रम की शुरुआत करेंगे और ट्रैविस हेड के साथ एक मज़बूत जोड़ी बनाएंगे। 2021 टी20 विश्व कप के दौरान, मार्श तीसरे नंबर पर खेले, जो एक मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। इस विस्फोटक ऑलराउंडर ने फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच का प्रदर्शन करते हुए बैगी ग्रीन्स को अपना पहला टी20 विश्व कप खिताब दिलाया।

लेकिन अब, 33 वर्षीय मार्श ने घोषणा की है कि पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार पाँच मैचों में ओपनिंग करने के बाद वह शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखेंगे। मार्श और हेड ने कभी भी सबसे छोटे प्रारूप में एक साथ ओपनिंग नहीं की है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार, मार्श ने शुक्रवार को डार्विन में संवाददाताओं से कहा, निकट भविष्य में मैं और हेडी शीर्ष पर रहेंगे। जाहिर है, हमने साथ में काफी खेला है, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं, इसलिए हम वहीं से शुरुआत करेंगे।

पिछले साल कैरेबियाई विश्व कप के बाद डेविड वार्नर के आखिरी प्रदर्शन के बाद से, मार्श और हेड सहित ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रारूप में पाँच सलामी बल्लेबाजों को आजमाया है। मार्श ने बाकी बल्लेबाज़ों के बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन उन्होंने पुष्टि की कि टिम डेविड की जगह पर चर्चा चल रही है। पिछले महीने, डेविड ने कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में अपने तूफानी स्ट्रोक्स से कहर बरपाया था। उन्होंने प्रदर्शनी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 37 गेंदों में शतक जड़ दिया, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज़ टी20 शतक है। हमने इस बारे में बात की है... हमने कैरेबियाई दौरे में देखा कि वह सामान्य से पहले मैदान पर आ गया। उसका कौशल इसी के लिए बना है। वह जितनी ज़्यादा गेंदों का सामना करेगा, उम्मीद है कि वह हमारे लिए उतने ही ज़्यादा मैच जीतेगा, मार्श ने कहा।

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम- मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम ज़म्पा।

एफआईबीए एशिया कप 2025 में भारत को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में चीन से 100-69 से हार का सामना करना पड़ा।

जेद्दा, एजेंसी। भारतीय बास्केटबॉल टीम गुरुवार को चल रहे एफआईबीए एशिया कप 2025 में ग्रुप सी का अपना लगातार दूसरा गेम हार गई, जब वे चीन से 100-69 से हार गए। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में जॉर्डन के खिलाफ ऐतिहासिक उलटफेर करने के बाद, विश्व में 76वें नंबर की टीम भारत को 30वें स्थान पर काबिज चीन के खिलाफ प्रतियोगिता में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। ओलिंपिक डॉट कॉम के अनुसार, साहिज सेखों ने भारत के लिए सर्वाधिक 14 अंक बनाए, जबकि मिंगक्सुआन हू और जियायी झाओ ने 17-17 अंक बनाकर चीन का नेतृत्व किया। पलप्रीत सिंह बरार ने मैच का पहला अंक हासिल करते हुए दो अंक हासिल किए और भारत को स्कोरबोर्ड पर ला दिया। हालांकि, चीन ने जल्द ही 12 अंकों की बढ़त बनाकर खेल पर नियंत्रण हासिल कर लिया, लेकिन भारत ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की और पहले क्वार्टर का अंत 29-14 से पिछड़ने के साथ किया।

चीन ने दूसरे क्वार्टर में एक बार फिर भारत को पछाड़ दिया, जिससे हाफ टाइम तक उसकी बढ़त 53-31 हो गई। 16 बार के चैंपियन चीन ने अंतिम दो क्वार्टर में निर्णायक बढ़त हासिल करते हुए भारत पर शानदार जीत दर्ज की और ग्रुप सी में अपराजित रहा, इससे पहले उसने सऊदी अरब के खिलाफ भी अपना पहला मैच जीता था। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, गुरुवार को चीन से मिली हार भारत की उनके खिलाफ बास्केटबॉल मुकाबलों में पांचवीं हार है। भारत, जिसने FIBA एशिया कप में आखिरी जीत 2015 में हासिल की थी, अब अपने अंतिम ग्रुप मैच में शनिवार को मेज़बान और दुनिया की 65वें नंबर की टीम सऊदी अरब से भिड़ेगा। सऊदी अरब से हारने पर भारत FIBA एशिया कप से बाहर हो जाएगा। ग्रुप विजेता सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाते हैं, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें शेष क्वार्टर फाइनल स्थानों के लिए क्वालीफाइंग राउंड खेलती हैं।

इंग्लैंड में बलात्कार की जांच के बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर हैदर अली निलंबित

इंग्लैंड, एजेंसी। पाकिस्तान के बल्लेबाज हैदर अली के खिलाफ इंग्लैंड में आपराधिक जांच चल रही है, उनके देश के क्रिकेट बोर्ड ने कहा है, जबकि ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने कहा है कि बलात्कार के आरोप के बाद गिरफ्तारी की गई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि क्रिकेटर हैदर अली से जुड़ी जाँच पाकिस्तान शाहीन के हालिया इंग्लैंड दौरे के दौरान कथित तौर पर हुई एक घटना से उपजी है। पीसीबी ने 24 वर्षीय अली से जुड़ी जाँच की प्रकृति के बारे में कुछ नहीं बताया।

ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बताया कि सोमवार को उन्हें बलात्कार की एक रिपोर्ट मिली थी और हमने एक 24 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के बयान में आगे कहा गया, आरोप है कि यह घटना बुधवार, 23 जुलाई, 2025 को मैनचेस्टर में हुई थी। आगे की पूछताछ तक उस व्यक्ति को ज़मानत पर रिहा कर दिया गया है। ब्रिटेन में पुलिस आमतौर पर जाँच के इस चरण में संदिग्धों का नाम नहीं बताती है।

शाहीन्स टीम दूसरे दर्जे के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती है। उनका 15 दिवसीय दौरा 22 जुलाई को शुरू हुआ।

पीसीबी ने अली को जांच के नतीजे आने तक, तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पीसीबी ने कहा, पीसीबी यूनाइटेड किंगडम की कानूनी प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं का पूरी तरह से सम्मान करता है और जांच को अपने निर्धारित पाठ्यक्रम को पूरा करने की अनुमति देने के महत्व को स्वीकार करता है।

अली ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पाकिस्तान के लिए दो एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 35 टी20 मैच खेले हैं।

पीसीबी ने कहा कि अली को उचित कानूनी सहायता प्रदान की गई।

इसमें कहा गया है,एक बार कानूनी कार्यवाही पूरी हो जाने और सभी तथ्य स्थापित हो जाने के बाद, यदि आवश्यक हो तो पीसीबी अपने आचार संहिता के तहत उचित कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना

बेंगलुरु (कर्नाटक)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई, जहां वे मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए तैयार हैं।

यह श्रृंखला 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगी, जो इस महीने के अंत में बिहार के राजगीर में होने वाले आगामी हीरो एशिया कप 2025 के लिए महत्वपूर्ण तैयारी का काम करेगी।

इस दौरे से टीम को विश्व की शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों में से एक के खिलाफ बहुमूल्य मैच अनुभव मिलने की उम्मीद है, जिससे कोचिंग स्टाफ को संयोजन को बेहतर बनाने और महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले खिलाड़ियों की फॉर्म का आकलन करने में मदद मिलेगी।

दोनों टीमें हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में आमने-सामने हुईं, जहाँ ऑस्ट्रेलिया ने दोनों चरणों में भारत को 3-2 से हराया। हालाँकि, भारत ने इससे पहले 2024 पेरिस ओलंपिक में कूकाबुरास पर 3-2 से यादगार जीत दर्ज की थी - 1972 म्यूनिख खेलों के बाद ऑस्ट्रेलिया पर उनकी पहली ओलंपिक जीत।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने रवाना होने से पहले हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है और इस समय हमें अपनी तैयारियों में इसी की ज़रूरत है। हम इस सीरीज़ को एशिया कप की तैयारी का एक अहम हिस्सा मान रहे हैं। हमारा ध्यान एक टीम के रूप में बेहतर प्रदर्शन करने, मज़बूत प्रतिद्वंदियों के खिलाफ़ खुद को तैयार करने और राजगीर में जाने के लिए ज़रूरी लय बनाने पर है।

उन्होंने आगे कहा, कैंप का माहौल वाकई सकारात्मक रहा है। हमने अच्छा प्रशिक्षण लिया है और अब समय आ गया है कि हम इसे मैदान पर भी उतारें। ये मैच हमें एशिया कप से पहले अपनी ज़रूरतों को पहचानने में मदद करेंगे और हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़ी हॉकी खेलने के मौके को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

भारत 15, 16, 19 और 21 अगस्त को चार मैच खेलेगा। टीम में अनुभवी और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण है, और एशिया कप के लिए अंतिम ग्रुप तय होने तक इस पर कड़ी नज़र रखी जाएगी।

बाजारों में रक्षाबंधन की रौनक, बच्चों को भा रहीं कार्टून कैरेक्टर वाली राखिया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्षाबंधन पर्व के लिए बाजार में रौनक दिखने लगी है। मुख्य बाजार से लेकर गलियों तक नई-नई डिजाइन और वैराइटी की राखियों से दुकानें सज गई हैं। पर्व के लिए कपड़े, मिठाई और सर्राफा बाजार में भी चहल-पहल बढ़ी है।

बच्चों में कार्टून वाली राखियों की डिमांड: विक्रेताओं के अनुसार पतले धागे वाली रुद्राक्ष या मोती से सजी हल्की राखियां अधिक पसंद की जा रही हैं। मोर, कृष्ण, गणेश और शंकर आकृति वाली राखियों का क्रेज भी बरकरार है। बच्चों के लिए मोटू-पतलू, छोटा भीम, बाल गणेशा और बाल कृष्ण जैसे कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। इस वर्ष भाई-भाभी के लिए बंधन राखियां भी बाजार में उपलब्ध हैं। सिल्क थ्रेड राखी और डिजाइनर राखी का कलेक्शन भी आया है। व्हाट्सएप और फेसबुक थीम वाली राखियां भी पसंद की जा रही हैं। इनकी खासियत है कि ये वजन में हल्की और ब्रेसलेट पैटर्न में हैं, जिन्हें राखी और ब्रेसलेट दोनों रूप में पहना जा सकता है।

हर साल से महंगी बिक रही राखियां: दूल्हा-दुल्हन के मुखौटे वाली, दिल की आधी आकृति वाली और राधा-कृष्ण की आकृति वाली राखियां भी लोगों को आकर्षित कर रही हैं। भाभियों के लिए लटकने वाली राखियां, कंगन स्टाइल की मोटी राखियां और नग जड़ी ब्रेसलेट नुमा राखियां उपलब्ध हैं। व्यापारियों का कहना है कि महंगाई के बावजूद पर्व को लेकर लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ है। सामान्य राखियां 5-10 रुपए की हैं, जबकि डिजाइनर राखियां 40-50 रुपए तक की हैं। बंधन या स्पेशल डिजाइन और नग जड़ी राखियों की कीमत 250-300 रुपए तक है। पिछले वर्ष की तुलना में अधिकांश वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है।

मैहर में तेज बारिश से राखी की बिक्री बंद, व्यापारी बोले-पानी की वजह से स्टॉक खराब होने के आसार

शुक्रवार सुबह 6 बजे से लगातार तेज बारिश हो रही है। एक हफ्ते बाद हुई इस बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। लेकिन इसके कारण पूरे शहर में सन्नाटा पसरा हुआ है।

लगातार बारिश से राखी समेत अन्य व्यापार प्रभावित: शहर का मुख्य बाजार बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आमतौर पर आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मैहर बाजार खरीदारी के लिए आते हैं। लेकिन लगातार हो रही बारिश से लोग बाजार नहीं जा रहे हैं। बारिश से खासकर फुटपाथ और ठेले पर सामान बेचने वाले छोटे व्यापारी बेहद परेशान हैं। दुकान लगाने के बाद भी ग्राहक नहीं आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भीगने से सामान खराब होने का डर भी सता रहा है।

बाजारों में सजी राखी, मिठाई और फल-फूल की दुकानें: बारिश के बावजूद राखी, मिठाइयों और फल-फूल की दुकानें सजाई गई हैं। लेकिन खरीदारों की कमी के चलते बिक्री नहीं हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि रक्षाबंधन से एक दिन पहले का दिन व्यापार के लिए सबसे अहम था। उन्होंने अधिकतम पूंजी लगाकर राखी व मिठाई का स्टॉक तैयार किया था। अब अगर बारिश का सिलसिला यूं ही जारी रहा, तो उनका सारा माल बिकने से पहले ही खराब हो सकता है।

दुकानदार बोले-आज बिक्री नहीं हुई तो भारी नुकसान होगा: स्थानीय मिठाई दुकानदार गगन गुप्ता ने कहा, हमने राखी के त्योहार को देखते हुए मिठाइयों का भरपूर स्टॉक किया है। लेकिन बारिश के कारण लोग आ नहीं रहे हैं। अगर आज भी बिक्री नहीं हुई तो भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। एक राखी विक्रेता संदीप ने बताया, आज आखिरी मौका है व्यापार का। त्योहार है और दुकानें बंद रहेंगी। बारिश ने सारा गणित बिगाड़ दिया है।

शराबबंदी फिर भी गांव-गांव बिक रही शराब

ग्रामीण बोले- पूर्व सरपंच के घर से हो रही बिक्री, कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा घोषित शराबबंदी के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री जारी है। शुक्रवार को ग्राम मंटोलवा के सौ से अधिक ग्रामीणों ने मैहर थाना पहुंचकर पुलिस को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के लगभग हर मोहल्ले और टोले में खुलेआम शराब बेची जा रही है। इससे युवा और बुजुर्ग नशे के आदी हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने अवैध शराब की एक गाड़ी को खुद पकड़ा था। लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। इसकी सूचना तुरंत मैहर पुलिस को दी गई थी।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव के पूर्व सरपंच के घर से भी अवैध शराब की बिक्री हो रही है। कई बार मना करने के बावजूद यह अवैध कारोबार जारी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करेगा तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

इस मामले में मैहर थाना पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने के दौरान दो गांवों के सरपंच भी मौजूद थे। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब की बिक्री से क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और गृहकलह बढ़ रहा है।

सुदर्शन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सुदर्शन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके बाद छात्राओं ने भाई-बहन के प्रेम और संरक्षण के प्रतीक इस त्योहार का महत्व बताया।

विद्यालय की छात्राओं ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिक्षकों ने भी बच्चों को रक्षाबंधन के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व से अवगत कराया। पूरे विद्यालय में उत्साह और भाईचारे का माहौल देखने को मिला।

ट्रैक्टर चोरी का मुख्य आरोपी पुणे से गिरफ्तार, 7 अभी भी फरार

पुलिस ने 3 महीने बाद सुलझाया मामला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोठी थाना पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी के मामले में मुख्य आरोपी वीर विक्रम सिंह को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में सात अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।

यह था मामला: मामला 4 मई का है, जब बरहना निवासी अजय सिंह का ट्रैक्टर (एमपी19एसी8539) ट्रॉली समेत घर के बाहर से चोरी हो गया था। पुलिस को कुछ दिनों बाद ट्रॉली तो लावारिस हालत में मिल गई थी, लेकिन ट्रैक्टर का पता नहीं चल पाया था।

तीन महीने की जांच के बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पुणे में दबिश देकर रीवा जिले के डभौरा थाना क्षेत्र के छमुआ गांव निवासी वीर विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी का ट्रैक्टर बरामद कर लिया गया है।

पूछताछ में कबूली वारदात: पूछताछ में आरोपी ने सुंदरम उर्फ बच्चा सिंह बघेल, अंशुल सिंह बघेल, लाला सेन, धीरज पटेल, प्रेम प्रकाश सिंह, राणा सिंह और उमा प्रताप सिंह के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूली। साथ ही रीवा के डभौरा थाना क्षेत्र से भी एक ट्रैक्टर चोरी करने की बात स्वीकार की।

गुरुवार शाम को आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई है और लगातार दबिश दी जा रही है।

बारिश के बावजूद निकली तिरंगा यात्रा, छात्राओं ने कलेक्टर को बांधी राखी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता- स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान के तहत शुक्रवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह अभियान प्रदेश में 2 अगस्त से 15 अगस्त तक चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद पद्मधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस यात्रा में सुबह से हो रही बारिश के बावजूद सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए। उनके उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी।

तिरंगा यात्रा शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय से शुरू हुई। यह स्टेशन रोड होते हुए पुनः कन्या महाविद्यालय लौटकर समाप्त हुई। इस अवसर पर छात्राओं ने कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार भी मनाया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज प्रबंधन ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कलेक्टर को राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया। कलेक्टर ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं और कॉलेज स्टाफ को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

रघुबीर मंदिर में हर्षोल्लासपूर्वक प्रारंभ हुआ श्रावण झूला महोत्सव

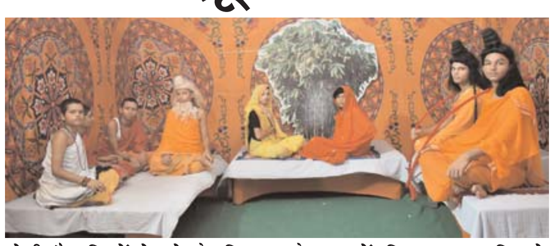

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। परमहँस संत श्री रणछोड़दास जी महाराज की जानकीकुण्ड चित्रकूट स्थित तपोस्थली श्री रघुबीर मंदिर ट्रस्ट (बड़ी गुफा) में श्रावण झूला महोत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ प्रारंभ हुआ । यह उत्सव प्रतिवर्ष श्रावण शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा पर्यंत आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर संस्कृत गुरुकुल के छात्रों द्वारा विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक नयनाभिराम झांकियाँ प्रस्तुत की जाती है, सभी झांकियां देश और धार्मिक ग्रंथों के आधार सजी होती है जिन्हें देखने के लिए दर्शकों में होड लगी रहती है। सावन झूला पर सम्पूर्ण मंदिर परिसर को रौशनी और पुष्पों से सुसज्जित किया गया है, जिससे संपूर्ण वातावरण मंत्रमुग्ध कर देने वाला बन गया है। इस अवसर पर पारंपरिक झूला गीतों का मधुर गायन देशभर से आए कलाकारों द्वारा युगल सरकार के चरणों किया गया, जिसने श्रद्धालुओं के हृदय को भक्ति-रस से भर दिया। महोत्सव में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, और मंदिर प्रांगण में भक्ति की गंगा बहती रही। ट्रस्टी डॉ.बी.के.जैन, शिक्षा समिति की अध्यक्ष उषा जैन एवं ट्रस्टी डॉ इलेश जैन ने छात्र कलाकारों को सुन्दर प्रस्तुतियों के लिए साधुवाद दिया।

सीएमएचओ ऑफिस समेत 4 सरकारी दफ्तरों में डेंगू के लार्वा, मलेरिया विभाग ने छिड़की दवा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय में डेंगू के लार्वा मिलने से हड़कंप मच गया है। सीएमएचओ के अलावा पीएचई, सहकारिता और मत्स्य विभाग के दफ्तरों में भी डेंगू के लार्वा पाए गए हैं। ये लार्वा कूलरों में कई दिनों से भरे पानी में मिले। मलेरिया विभाग के कर्मचारियों ने लार्वा नष्ट करते हुए दवा का छिड़काव किया। इसी बीच, लार्वा सर्वे कार्य से अनुपस्थित रहने पर मलेरिया विभाग ने दो कर्मचारियों के 7 दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया है। जिला मलेरिया अधिकारी शीला सोनकर ने फील्ड से गायब मिले फील्ड वर्कर राजकुमार मैहर और राजकुमार रावत के वेतन काटने के आदेश जारी किए हैं।

आसपास के इलाकों में दवा का छिड़काव: बरसाती मौसम को देखते हुए मलेरिया विभाग ने नगर निगम क्षेत्र को 3 जोन में बांटा है। कर्मचारी वार्डों में जाकर डेंगू के लार्वा का सर्वे कर उन्हें नष्ट करते हैं और आसपास के इलाकों में दवा का छिड़काव करते हैं।

सरकारी दफ्तरों में जाकर लार्वा सर्वे कर रही टीम: सीएमएचओ डॉ. एल.के. तिवारी ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने दफ्तरों के आसपास पानी एकत्रित न होने दें, विशेषकर कूलर के वॉटर टैंक, टायर और गमलों में। मलेरिया विभाग की टीम शासकीय दफ्तरों में जाकर लार्वा सर्वे कर रही है और जहां भी डेंगू के लार्वा मिलते हैं, उन्हें नष्ट किया जा रहा है।

विनीता भावनानी का सतना आगमन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय सिंधु सभा महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष विनीता भावनानी का 9 अगस्त शनिवार को सतना नगर आगमन होगा सतना आगमन पर भारतीय सिंधु सभा परिवार द्वारा स्टेशन पर भव्य स्वागत किया जाएगा। संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया राष्ट्रीय अध्यक्ष विनीता भावनानी जी के मुख्य आतिथ्य एवं संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी जी की अध्यक्षता में 10 अगस्त रविवार को शाम 04 से 5:00 बजे तक अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में मुख्य शाखा महिला शाखा एवं युवा शाखा की संयुक्त बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संस्था के आयोजित आगामी कार्यक्रमअखण्ड भारत सिंध स्मृति दिवस एवं सामाजिक प्रतिभा सम्मान पर विस्तार से विचार विमर्श किया जाएगा।

भारतीय सिंधु सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा संभाग प्रभारी विक्रम चौधरी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोहर,आरतानी विजय जग्यासी संरक्षक गोपी गेलानी श्रीचंद मनवाणी गोपीचंद कापड़ी अध्यक्ष अशोक चांदवानी महिला शाखा प्रदेश उपाध्यक्ष राखी होतचंदानी अध्यक्ष सिमरन होतचंदानी युवा शाखा प्रदेश मंत्री देवेंद्र सत्यवानी अध्यक्ष विकास सुखेजा जैकी छाबरिया ने संस्था के सभी सदस्यों से बैठक में शामिल होने की अपील की है

सार्थक अस्पताल में होगा कैशलेस इलाज

सतना। विंध्य अंचल के प्रतिष्ठित सार्थक अस्पताल में अब कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना के मरीजों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराएगा। कर्मचारी राज्य बीमा सेवा संचालनालय भोपाल ने इस आशय का आदेश जारी किया है। सम्बद्ध जन पह्ले कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के बिरला रोड स्थित अस्पताल जाकर प्रकरण सार्थक अस्पताल के लिये रेफर कराकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सार्थक अस्पताल पूर्व में प्रधान मंत्री की आयुष्मान योजना के लिये भी सूचीबद्ध किया जा चुका है।

जनपद पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

कोरम के अभाव में वोटिंग नहीं हो सकी, 25 में से 14 सदस्य रहे अनुपस्थित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान के अध्यक्ष रावेंद्र सिंह छोटू के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गुरुवार को आवश्यक कोरम के अभाव में खारिज हो गया। कोरम पूरा न होने के कारण इस प्रस्ताव पर वोटिंग भी नहीं हो सकी। कांग्रेस समर्थित 13 जनपद सदस्यों ने 24 जुलाई को कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस को संयुक्त हस्ताक्षरित मांग पत्र सौंपकर अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था। कलेक्टर के निर्देश पर इस संबंध में जनपद पंचायत का सम्मिलन आयोजित किया गया। सम्मिलन में एसडीएम सिटी सतना राहुल सिलाडिया पीठासीन अधिकारी के रूप में मौजूद थे। रामपुर बाघेलान के एसडीएम आरएन खरे और जनपद सीईओ राहुल पांडेय भी सहयोगी अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे।

14 सदस्यों ने समामेलन में भाग नहीं लिया: जनपद पंचायत में अध्यक्ष सहित कुल 25 सदस्य हैं। इनमें से अध्यक्ष सहित भाजपा समर्थित 12 और कांग्रेस समर्थित 2 सदस्य, कुल 14 सदस्यों ने समामेलन में भाग नहीं लिया। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले कांग्रेस के 11 अन्य गैर भाजपाई जनपद सदस्य सम्मिलन में शामिल होने जनपद मुख्यालय पहुंचे थे।

कुल 17 सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक थी: हालांकि, इन सदस्यों ने वोटिंग करने से इनकार कर दिया। नियमानुसार अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के लिए कुल 17 सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक थी। कोरम पूरा न होने के कारण पीठासीन अधिकारी एसडीएम राहुल सिलाडिया ने प्रस्ताव को निरस्त कर दिया और सम्मिलन स्थगित कर दिया गया।

कामयाब रही विधायक की रणनीति: राजनीतिक मामलों के जानकारों की मानें तो अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास के प्रस्ताव की नाकामी। रामपुर बघेलान के विधायक विक्रम सिंह विक्की की रणनीतिक कामयाबी मानी जा रही है। 14 सदस्यों की गैरहाजिरी से साफ है कि विधानसभा सत्र के दौरान भोपाल में रहते हुए भी विधायक की यहां समूचे राजनीतिक घटनाक्रम पर पैनी नजर थी। उल्लेखनीय है, मौजूदा अध्यक्ष को बीजेपी विधायक का समर्थन प्राप्त है।

3 दिन बाद फिर हुई बारिश, मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ा

सतना। 3 दिन बाद एक बार फिर बारिश हो रही है। गुरुवार रात की रिमझिम बारिश के बाद शुक्रवार सुबह से फिर पानी गिरने का दौर जारी है। घने काले बादलों के कारण सुबह से ही अंधेरा छाया हुआ है। गुरुवार को तेज धूप के कारण 24 घंटे के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। अधिकतम तापमान 33.5 और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री रहा था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी संेटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।